जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 107 दिनांक: 01-04-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव गुरुवार शाम दो दिवसीय भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। लावरोव कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस। जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में बुधवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाया।

असम, मणिपुर, नागालैंड में अशांत क्षेत्रों को कम करने का फैसला

-अफस्पा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र ने दशकों की अशांति के बाद नागालैंड, असम और मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत क्षेत्रों को कम करने का फैसला किया गया है। अमित शाह ने इस बात की जानकारी ट्वीट करते हुए दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत सरकार एक महत्वपूर्ण कदम की ओर आगे बढ़ रहा है। दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम करने का निर्णय लिया गया है।

गौरतलब है कि बीते कई दशक से अफस्पा को लेकर नॉर्थ ईस्ट के राजनीतिक दलों की तरफ से इसे हटाने की मांग की जाती रही है। बीजेपी शासित राज्य नागालैंड और मणिपुर में भी इसको लेकर मांग काफी तेज रही है। मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने भी अफ्सफा को लेकर चुनावी वादा किया था। सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून, 1958 (अफस्पा) के तहत केंद्र सरकार राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर किसी राज्य या क्षेत्र को अशांत घोषित कर वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करती है। अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को कहीं भी अभियान चलाने और बिना पूर्व वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार प्राप्त है।

उन्होंने कहा, 'पंचायत चुनाव बिना हिंसा के संपन्न हो गये। जिला पंचायत चुनाव हो चुके हैं। परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। मैं यह बात एक बार फिर दोहराना चाहूंगा कि परिसीमन पूरा होने के बाद हम राजनीतिक दलों से परामर्श करके चुनाव कराएंगे।' जम्मू कश्मीर में जून 2018 से राष्ट्रपति शासन लागू है। भाजपा ने तब मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार से समर्थन वापस लिया था। मोदी सरकार ने अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। जम्मू कश्मीर अब विधानसभा के साथ केंद्रशासित प्रदेश है।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दिल्ली पहुंचे, शुक्रवार को पीएम से मिलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव गुरुवार शाम दिल्ली पहुंचे। दो दिवसीय भारत यात्रा पर आए लावरोव कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस। जयशंकर से मुलाकात करेंगे। यूक्रेन पर व्लादिमीर पुतिन के हमले के बाद से यह मॉस्को की हाई लेवल यात्रा मानी जा रही है। सर्गेई लावरोव की ये यात्रा ब्रिटिश विदेश मंत्री लिज़ ट्रस की यात्रा के साथ हो रही है। वहीं पिछले सप्ताह चीनी मंत्री वांग यी भी करीब दो वर्षों बाद भारत की यात्रा पर आए थे।

यूक्रेन पर रूस के 24 फरवरी को हमला करने के बाद से रूसी विदेश मंत्री की यह तीसरी विदेश यात्रा है। इससे पहले वह इस महीने की शुरुआत में अपने यूक्रेनी समकक्ष के साथ बातचीत के लिए तुर्की की यात्रा और बुधवार को चीन में बैठक कर चुके हैं।

बता दें कि भारत ने पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद भी रूस से माल खरीदना जारी रखा हुआ है। पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका से बढ़ती खरीद के बावजूद रूस लंबे समय से रक्षा उपकरणों का भारत का सबसे बड़ा सप्लायर रहा है।

मनरेगा के बजट कटौती को लेकर मोदी सरकार पर बरसीं सोनिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में बुधवार को मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। सोनिया गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाया। बिना पीएम मोदी का नाम लिए उन्होंने कहा, मनरेगा , जिसका कुछ लोगों ने कुछ साल पहले मजाक उड़ाया था, उसने कोविड-19 और लॉकडाउन में करोड़ों गरीब परिवारों को समय से सहायता दी और सरकार को बचाने में भी अहम भूमिका निभाई। फिर भी मनरेगा के बजट में लगातार कटौतियां हो रही हैं। सरकार पर हमला बोलते हुए कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा, इससे वक्त पर भुगतान और नौकरियों की कानूनी गारंटी कमजोर हो रही है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है तब भी मनरेगा का बजट 2020 की तुलना में इस साल 35₹ कम है। बजट में कटौती के कारण श्रमिकों के भुगतान में देरी हो रही है, सुप्रीम कोर्ट ने इसे मजबूर श्रम कहा है। दूसरी ओर, राज्यसभा में गुरुवार को 72 सदस्यों को विदाई दी गई। राज्यसभा में 19 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे इन सदस्यों का कार्यकाल मार्च से जुलाई के बीच पूरा होने जा रहा है। रिटायर हो रहे सदस्यों में कांग्रेस के ए के एंटनी, आनंद शर्मा, अंबिका सोनी, कपिल सिब्बल, भारतीय जनता पार्टी के सुरेश प्रभु, सुब्रमण्यम स्वामी, बहुजन समाज पार्टी के सतीश चंद्र मिश्रा, शिवसेना के संजय राउत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल पटेल शामिल हैं।रिटायर हो रहे सदस्यों में निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, मुख्तार अब्बास नकवी और आरसीपी सिंह जैसे मंत्री भी शामिल हैं। मनोनीत सदस्यों एम सी मैरीकॉम, स्वपन दासगुप्ता और नरेंद्र जाधव का भी कार्यकाल समाप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने राज्यसभा से रिटायर हो रहे सदस्यों के बेहतर भविष्य की कामना करते हुए उनसे आग्रह किया कि वे अपने अनुभवों को चारों दिशाओं में ले जाएं और अपने योगदानों को लिखकर देश की भावी पीढ़ी को प्रेरित करें। उन्होंने रिटायर हो रहे सांसदों के लिए राज्यसभा में दिए गए अपने विदाई भाषण में कहा कि जो सदस्य रिटायर हो रहे हैं, उनके पास अनुभव की बहुत बड़ी पूंजी है और कभी-कभी ज्ञान से ज्यादा अनुभव की ताकत होती है।

भारत यात्रा पर आ रही हैं ब्रिटेन की विदेश मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रस बृहस्पतिवार को अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगी और इस दौरान वे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को रोकने के लिए लोकतांत्रिक देशों के मिलकर काम करने के महत्व को रेखांकित करेंगी। ट्रस की भारत यात्रा के संबंध में ब्रिटिश उच्चायोग ने एक बयान जारी करते हुए ये जानकारी दी। बयान में कहा गया है, ''विदेश मंत्री लिस ट्रस पिछले महीने यूक्रेन पर रूस के अवैध आक्रमण के बाद एक व्यापक राजनयिक प्रयास के तहत आज भारत में हैं। ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर के साथ बैठक में ट्रस यूक्रेन पर रूस का आक्रमण रोकने, ताकत के दम पर शासन करने की आशंका कम करने और वैश्विक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लोकतांत्रिक देशों के मिलकर काम करने के महत्व को रेखांकित करेंगी। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में कई विदेशी गणमान्य लोगों ने भारत की यात्राएं की है। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह बुधवार को भारत पहुंचे, जबकि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव बृहस्पतिवार को भारत आएंगे। विदेश मंत्री के तौर पर ट्रस की यह दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वह पिछले साल अक्टूबर में भारत आईं थी।

कर्नाटक- अब 'हलाल मीट' पर बवाल, सीएम बसवराज बोम्मई बोले- गंभीर आपत्तियों पर होगा विचार

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में पैदा हुआ हिजाब विवाद अभी शांत नहीं हुआ और अब यहां हलाल मीट को लेकर बवाल मच गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हलाल मीट को लेकर उठाई गई गंभीर आपत्तियों पर विचार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां तक उनकी सरकार का सवाल है तो उसमें केवल विकास को पंख दिए गए हैं, और कोई दक्षिण पंथ या वाम पंथ नहीं है। दरअसल, कुछ दक्षिणपंथी समूहों ने हलाल मीट के बहिष्कार की अपील की है।

हलाल की तकनीक विशिष्ट समुदाय (मुस्लिम) के निपुण लोग करते हैं। इसके लिए जानवर की गर्दन को तेज धार चाकू से रेता जाता है। जिसकी वजह से कुछ वक्त बाद जानवर की मौत हो जाती है। इस प्रक्रिया में जानवर के शरीर का एक-एक कतरा निकलने का इंतजार किया जाता है। कहा जाता है कि हलाल में जानवर के शरीर से खून का एक-एक कतरा निकलने तक उसका जिंदा रहना जरूरी है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार हलाल होने वाले जानवर के सामने दूसरा जानवर नहीं ले जाना चाहिए। एक जानवर के हलाल होने के बाद ही दूसरा ले जाना चाहिए। अगर मार्केट की भाषा में समझें तो हलाल का मतलब वह प्रोडक्ट है, जो शरिया कानूनों के मुताबिक है।

मुस्लिम समुदाय में हलाल मीट ही खाया जाता है। इसके अलावा झटका मीट की बातें भी सभी ने सुनी होगी। झटका प्रक्रिया के तहत जानवर की गर्दन को धारदार हथियार से एक बार में ही काट दिया जाता है। ताकि जानवर तड़पे ना और एक झटके में ही जानवर की मौत हो जाए। हलाल मामले पर सरकार के रुख को लेकर पूछे गए सवाल पर बसवराज बोम्मई ने कहा यह (हलाल मामला) अभी-अभी शुरू हुआ है। हमें इसका संपूर्णता से अध्ययन करना होगा, क्योंकि इसका नियमों से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक प्रथा है जो जारी है। अब इसके संबंध में गंभीर आपत्तियां उठी हैं। हम इन्हें देखेंगे।

हिंदू संगठनों द्वारा हलाल मीट के बहिष्कार को लेकर अभियान चलाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस मसले पर अपना रुख बाद में बताएगी। उन्होंने कहा कि हमें पता है कि किस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करनी है और किस पर नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि जरूरत नहीं पड़ी, तो सरकार कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करेगी।

बिहार सीएम की कुर्सी छोड़कर राज्यसभा जाएंगे नीतीश कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा जाएंगे? दरअसल राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन की सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि वह किसी दिन राज्यसभा जाना चाहेंगे। नीतीश अगर राज्यसभा जाते हैं को वे बिहार के अन्य दो दिग्गज नेता यानी लालू प्रसाद यादव और सुशील कुमार मोदी की बराबरी कर लेंगे। ये दोनों नेता संसद और विधानसभा के सभी सदनों के सदस्य रहे हैं। बुधवार सुबह, नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा में अपने कार्यालय में संवाददाताओं से कहा कि वह किसी भी समय राज्यसभा के सदस्य बनना चाहते हैं। वह अब तक बिहार विधानसभा, विधान परिषद और लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं।

पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत में की गई टिप्पणी ने बड़ी अटकलों को हवा दे दी। अटकलें हैं कि 16 साल से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, एक नई भूमिका के लिए इच्छुक हैं।

बिहार विधानसभा में हंगामा, मार्शलों ने वाम विधायकों को हाथ-पैर पकड़कर बाहर निकाला

पटना (ईएमएस)। बिहार विधानसभा में दूसरे दिन भी विपक्षी विधायकों ने बवाल और काटा कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर यहां जमकर हंगामा हुआ। जिसको लेकर मार्शलों द्वारा हंगामा करने वालों को सदन के बाहर निकाला गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इससे एक दिन पहले भी विधानसभा में हंगामा देखने को मिला था। जिसको लेकर मार्शलों ने एआईएमआईएम विधायक अख्तरुल ईमान बाहर निकाला था। कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बिहार विधानसभा में हंगामे के बाद मार्शलों ने वाम विधायकों को निकाला। एक वीडियो में देखा जा रहा है कि किस तरह से वाम विधायकों को विधानसभा से बाहर निकाला जा रहा है। मार्शलों ने विधायकों के हाथ-पैर पकड़कर उन्हें निकाला है और ऐसा लगातार दूसरे दिन हंगामे की वजह से हो रहा है।

मार्शलों द्वारा विधायकों को बाहर निकाले जाने के दौरान कुछ विधायक गुंडागर्दी नहीं चलेगी के नारे भी लगा रहे थे। विधायक विरेंद्र गुप्ता ने कहा कि हम लोग राज्य में बिगड़ते क़ानून व्यवस्था पर बहस चाहते थे लेकिन सरकार बहस पर तैयार नहीं थी इसलिए हमको मार्शल से कहकर सदन से बाहर करवा दिया। भाजपा-जदयू की सरकार तमाम कोशिशें कर रही हैं कि हिंदू-मुस्लिम राजनीति से यह सारे मुद्दे ढ़क जाएं।

राष्ट्र के नाम संबोधन में बोले इमरान खान- किसी भी तरह की गुलामी गलत, मुझे हटाने के पीछे एक विदेशी मुल्क

इस्लामाबाद । विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के चलते मुश्किलों का सामना कर रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार शाम को देश की आवाम को संबोधित किया। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में इमरान खान ने कहा कि मेरे पास सब कुछ था। मैंने 25 साल पहले सेवा के मकसद के साथ राजनीति में कदम रखा था। मैंने इंसाफ, इंसानियत और खुद्दारी के लिए पालिटिक्स ज्वाइन की। इमरान ने यह भी कहा कि सियासत में कदम रखते समय मैंने संकल्प लिया था कि किसी के आगे ना झुकुंगा ना अपनी कौम को झुकने दूंगा।

इमरान खान ने कहा कि आपको बताना चाहता हूं कि आठ या सात मार्च को अमेरिका... नहीं एक विदेशी देश से हमें संदेश आता है जिसमें बताया जाता है कि वे पाकिस्तान पर क्यों गुस्सा हैं। उनका कहना था कि यदि इमरान खान को हटा दिया जाता है तो पाकिस्तान को माफ कर दिया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं किए जाने पर पाकिस्तान को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। यह किसी प्रधानमंत्री के खिलाफ नहीं पूरी आवाम के खिलाफ दखलंदाजी है।

इमरान खान ने कहा कि रविवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में वोटिंग होगी। इस रविवार को इसका फैसला हो जाएगा कि यह मुल्क अब किस तरफ जाएगा। क्या पाकिस्तान उसी गुलाम नीति पर चलेगा, क्या उन्हीं भ्रष्ट लोगों के हाथ में पाकिस्तान जाएगा जिन पर 30 साल से भ्रष्टाचार के आरोप हैं। मैंने जिंदगी में कभी हार नहीं मानी। नतीजा जो भी होगा उससे बाद मैं और ज्यादा ताकतवर होकर सामने आऊंगा।

इमरान खान ने कहा कि मैंने फैसला किया था कि हम ऐसी विदेश नीति बनाएंगे जिससे पाकिस्तान की आवाम का भला हो। मैंने आजाद विदेश नीति की बात कही थी। इमरान ने कहा कि पिछली सरकारों की सबसे बड़ी गलती थी कि 80 के दशक में पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका का सहयोगी बन गया। याद रखें उसी अमेरिका ने हमारे ऊपर प्रतिबंध लगाए थे। पिछली सरकारों की गलतियों के कारण मैंने पाकिस्तान को जलील होते और नीचे आते देखा है।

इमरान खान ने कहा कि अमेरिका का हिमायती बनना परवेज मुशर्रफ की सबसे बड़ी गलती थी। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान ने कई कुर्बानियां दी जिसका श्रेय हमारे मुल्क को नहीं मिला। पिछली सरकारों के कार्यकाल में हमारे मुल्क में चार सौ ड्रोन अटैक हुए जिसकी निंदा तक नहीं की गई। जब मैंने इन हमलों के विरोध में धरना दिया तो मुझे तालिबान खान कहा गया। मैं आज ये बातें इसलिए बता रहा हूं ताकि आपको पता चले कि इन लोगों की विदेश नीतियां कैसी रही हैं। इमरान खान ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि ईश्वर ने मुझे इज्जत, शोहरत और दौलत के साथ वह सब कुछ दिया जिसकी ख्वाहिश हर व्यक्ति की होती है। मुझे आज किसी चीज की जरूरत नहीं है। पाकिस्तान मुझसे सिर्फ महज पांच साल बड़ा है। मैं आजादी के बाद पैदा होने वाले देश की पहली पीढ़ी के लोगों में से हूं। मुझसे इस्तीफा देने की बातें कही गईं। मैं क्रिकेटर रहा हूं। मैं आखिरी गेंद तक लड़ूंगा। रविवार को जो भी नतीजा हो मैं और ज्यादा ताकतवर बनकर उभरूंगा।

इमरान का कहना है कि विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव विदेशी साजिशों का नतीजा है। इमरान का आरोप है कि उनको सत्ता से बाहर करने के लिए विदेश से फंडिंग की जा रही है। माना जा रहा है कि इमरान का इशारा अमेरिका की ओर था। हालांकि अमेरिका की ओर से इस बारे में स्पष्टिकरण जारी किया गया है। अविश्वास प्रस्ताव लाने में संलिप्तता के आरोपों को नकारते हुए अमेरिका ने कहा है कि पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक हालात पर उसकी ओर से कोई पत्र नहीं भेजा गया है।

जयपुर में तीन संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

- आरोपियों के पास से दस किलो आरडीएक्स तथा टाइमर बरामद

जयपुर (ईएमएस)। जयपुर और चित्तौड़गढ़ की पुलिस ने जयपुर में बम ब्लास्ट की सा?जिश रच रहे तीन संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से बम बनाने के लिए उपयोगी दस किलो आरडीएक्स तथा टाइमर बरामद किया है। पकड़े गए संदिग्ध आरोपी मध्यप्रदेश के रतलाम के रहने वाले हैं और उनके आतंकवादी संगठन से जुड़े होने की जानकारी मिली है, हालांकि फिलहाल इसका खुलासा नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा कस्बे में जयपुर और चित्तौड़गढ़ की पुलिस संयुक्त रूप से नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान मध्यप्रदेश की एक कार को रोककर पूछताछ की गई थी। जिसमें तीन युवक सवार थे। तीनों ही युवक पुलिस की पूछताछ को लेकर डरे हुए थे। जब उनकी कार की तलाशी ली गई तो उनके पास बम बनाने के लिए उपयोग में लिया जाने वाला सामान मिला। हिरासत में लिए जाने के बाद पूछताछ से तीनों युवकों के संदिग्ध आतंकी होने का पता चला। पूछताछ से खुलासा हुआ कि तीनों ने जयपुर में सीरियल बम ब्लास्ट करने की साजिश रची थी। जिसमें उनके और भी साथी शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों की कार से बम बनाने की सामग्री, टाइमर और करीब 10 किलो आरडीएक्स बरामद किया गया। उनकी कार भी बरामद कर ली गई है। प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि जयपुर में तीन जगह बम ब्लास्ट करने के लिए निंबाहेड़ा में बम बनाकर वह दूसरी गैंग को देने वाले थे, लेकिन इससे पहले पुलिस की गिरफ्त में आ गए। उदयपुर और जयपुर एटीएस टीम उनसे पूछताछ में जुटी है। पुलिस को उनके आतंकवादी संगठन से जुड़े होने का पता चला है लेकिन इसका खुलासा अभी बाकी है। एटीएस के प्रभारी आईपीएस अशोक राठौड़ के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों के बारे में गुरुवार दोपहर बाद खुलासा किया जाएगा। फिलहाल आरोपियों से इस संबंध में पूछताछ जारी है कि वह बम बनाने की सामग्री कहां से लाए और कहां लेकर जा रहे थे। उनका संबंध किस आतंकी संगठन से हैं।

योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद अब शिवपाल यादव का अखिलेश यादव से गठबंधन टूटना तय : सूत्र

लखनऊ (ईएमएस)।सपा मुखिया अखिलेश यादव से नाराज चल रहे शिवपाल यादव लखनऊ में अपने राजनीतिक दल के नेताओं से मिले हैं। शिवपाल ने अपने समर्थकों से कहा है कि बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहें। सूत्रों की मानें तो इसे देखते हुए शिवपाल और अखिलेश का गठबंधन टूटना निश्चित माना जा रहा है। शिवपाल बुधवार शाम को योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे। शिवपाल के बीजेपी में जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। शिवपाल ने कहा है कि योगी आदित्यनाथ से उनकी शिष्टाचार भेंट हुई है। वहीं शिवपाल ने बीजेपी में जाने के सवाल पर चुप्पी साध रखी है। सूत्रों ने बताया कि दोनों के बीच 30 मिनट तक मुलाकात हुई। हालांकि इस दौरान क्या बातचीत हुए, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। लेकिन बैठक के समाजवादी पार्टी के खिलाफ चर्चाओं का बाजार गर्म है। अखिलेश यादव के करीबी सूत्रों ने कहा कि चाचा और भतीजे के बीच 24 मार्च को आखिरी बार मुलाकात हुई थी। शिवपाल यादव ने एक बड़ी संगठनात्मक भूमिका के लिए कहा था, लेकिन अखिलेश यादव ने सुझाव दिया था कि शिवपाल सपा के समर्थन से अपनी राजनीतिक पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का विस्तार करें।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में फिर 80 पैसे बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। पिछले 10 दिनों में कुल 6.40 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 101.01 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर अब 101.81 रुपए प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत 92.27 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 93.07 रुपए प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में देश भर में वृद्धि की गई है, लेकिन इनके दाम स्थानीय कर के आधार पर अलग-अलग राज्यों में भिन्न हैं। पेट्रोल तथा डीज़ल की कीमतें करीब साढ़े चार महीने तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को बढ़ाई गई थीं। तब से नौवीं बार कीमतों में वृद्धि की गई है। पेट्रोल और डीज़ल की कीमत में अब तक कुल 6.40 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

पाठकों से निवेदन

प्रिय पाठक आपका प्रिय समाचार पत्र जनहितैषी पिछले कई वर्षों से मात्र १रू. के मूल्य पर दिया जा रहा है। किन्तु अब अखबारी कागज, इन्क के दामों में वृद्धि व अन्य खर्चों में बढ़ोत्तरी के चलते अब दि.०१अप्रैल२०२२ से १ रूपया ५० पैसे में प्राप्त होगा आप से निवेदन है पिछले वर्षों की तरह ही आगे भी सहयोग करते रहेंगें।

-सम्पादक

कार्टून कोना

इस्लामिक दुनिया में होगी एकता, तुर्की ने दिए झुकने के संकेत

-खशोगी मर्डर केस को सऊदी अरब ट्रांसफर कर सकता है तुर्की

नई दिल्ली(ईएमएस)। सऊदी अरब और तुर्की के बीच इस्लामिक देशों का खलीफा बनने को लेकर लगातार टकराव रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन ने हाल के सालों में लगातार तुर्की को इस्लामिक देशों के सेंटर पॉइंट बनाने की कोशिश की है। दोनों देशों के बीच रार इतनी बढ़ गई थी कि सऊदी अरब ने साल 2020 में अपने नागरिकों से तुर्की में बने सामानों का बहिष्कार करने की अपील की थी। लेकिन एक्सपर्ट्स मानते हैं कि हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच संबंध ट्रैक पर लौट रहे हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट बताती है कि तुर्की खशोगी मर्डर केस को सऊदी अरब ट्रांसफर कर सकता है। तुर्की के अहाबर चैनल ने रिपोर्ट दी है कि वाशिंगटन पोस्ट से जुड़े पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले को तुर्की सऊदी अरब में ट्रांसफर कर सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस कदम से तुर्की और सऊदी अरब के बीच दशकों से बीच जारी रार को कम कर सकता है। इसके साथ ही तुर्की के इस कदम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेचेप तैय्यप एर्दोआन और अंकारा की आलोचना की जा सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हत्या को संभालने वाले एक तुर्की अभियोजक ने इस्तांबुल की एक अदालत से कार्यवाही को निलंबित करने और मामले को सऊदी अरब में ट्रांसफर करने के लिए कहा है। मामले को लेकर कोर्ट ने न्याय मंत्रालय से सलाह लेने का फैसला किया है।

खशोगी की 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में सऊदी एजेंटों द्वारा हत्या कर दी गई थी। खगोशी की हत्या के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफ़बीआई ने मामले की जांच की और पाया कि इस हत्या के पीछे सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का हाथ होने के ठोस सबूत हैं। यूनाइटेड नेशंस की जांच में भी मोहम्मद बिन सलमान पर सवाल उठाए गए थे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल, राहुल गांधी ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि को लेकर सरकार के खिलाफ हमला तेज करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि अभूतपूर्व है। उन्हें इसे जल्द से जल्द वापस लेने की मांग की। इस मुद्दे पर दिल्ली में विजय चौक पर कांग्रेस सांसदों के धरने का नेतृत्व करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पिछले 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम नौ बार बढ़े हैं और इससे आम आदमी सबसे ज्यादा प्रभावित है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों के कांग्रेस सांसदों ने तख्तियां लिए सरकार के खिलाफ नारे लगाए और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ धरने पर बैठ गए। धरने में शामिल नेताओं में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। राहुल गांधी ने कहा, ठहमारी मांग है कि सरकार को कीमतों पर नियंत्रण रखना चाहिए और पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने कहा था कि जब चुनाव खत्म होंगे तो पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे और लोगों से टैंक भरने को कहा था।' उन्होंने सरकार पर गरीबों से पैसे चुराने और उद्योगपतियों को सौंपने का आरोप लगाते हुए कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का यह स्तर अभूतपूर्व है। आपको बता दें कि कांग्रेस महंगाई और ईंधन की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ एक सप्ताह का देशव्यापी विरोध भी शुरू कर रही है।उन्होंने कहा, ठहम देख सकते हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तेजी से चढ़ रही हैं। सरकार इससे हजारों करोड़ कमा रही है। पेट्रोल और डीजल की इस कीमत वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस पूरे देश में विरोध कर रही है। सरकार को ऐसा करना बंद करना होगा। सरकार यह सुनिश्चित करे कि कीमतें न बढ़ें। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, जिससे पिछले 10 दिनों में दरों में कुल वृद्धि 6.40 रुपये प्रति लीटर हो गई।

22 मार्च को दर संशोधन में साढ़े चार महीने के लंबे अंतराल की समाप्ति के बाद से कीमतों में यह नौवीं वृद्धि है।

वन्नियार को दिए गया 10.5 प्रतिशत आरक्षण रद्द:सुप्रीमकोर्ट

-तमिलनाडु में वन्नियार से अलग व्यवहार का ठोस आधार नहीं

-सुप्रीमकोर्ट की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीमकोर्ट ने तमिलनाडु में अति पिछड़े समुदाय (एमबीसी) वन्नियार को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले में दिए गए 10.5 प्रतिशत आरक्षण को गुरुवार को रद्द कर दिया और कहा कि उनके साथ अलग व्यवहार करने का कोई ठोस आधार नहीं है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बीआर गवई की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा, जिसने आरक्षण को रद्द कर दिया था। पीठ ने कहा, हमारी राय है कि वन्नियाकुल क्षत्रियों के साथ एमबीसी समूहों के बाकी के 115 समुदायों से अलग व्यवहार करने के लिए उन्हें एक समूह में वर्गीकृत करने का कोई ठोस आधार नहीं है और इसलिए 2021 का अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन है। अतः हम उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हैं।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि हालांकि जाति आंतरिक आरक्षण का आधार हो सकती है, लेकिन यह एकमात्र आधार नहीं हो सकती। इससे पहले, उच्चतम न्यायालय ने मामले को वृहद पीठ को सौंपने से इनकार करते हुए कहा था कि उसका मानना है कि इस मामले पर वृहद पीठ के सुनवाई करने की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, ''हम इस मामले को वृहद पीठ के पास भेजने की दलील मानने के पक्ष में नहीं हैं, आप अपनी दलीलें रख सकते हैं।'' उच्चतम न्यायालय याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए राजी हो गया था और उसने कहा था कि इस आरक्षण के तहत हुए दाखिले या नियुक्तियां प्रभावित नहीं होंगी। न्यायालय का फैसला तमिलनाडु राज्य, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) अन्य द्वारा याचिका उन याचिकाओं पर आया है जिसमें वन्नियार को दिया आरक्षण रद्द करने के उच्च न्यायालय के एक नवंबर 2021 के आदेश को चुनौती दी गयी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि राज्य सरकार आबादी पर बिना मात्रात्मक आंकड़ों के वन्नियार को आरक्षण देने वाला ऐसा कानून नहीं ला सकती है।

गौरतलब है कि तमिलनाडु विधानसभा ने पिछले साल फरवरी में वन्नियार समुदाय को 10.5 फीसदी आरक्षण देने के तत्कालीन सत्तारूढ़ अन्ना द्रमुक द्वारा पेश किए विधेयक को पारित कर दिया था। मौजूदा द्रमुक सरकार ने इसके क्रियान्वयन के लिए जुलाई 2021 में एक आदेश पारित किया। उसने एमबीसी को दिए कुल 20 प्रतिशत आरक्षण को विभाजित कर दिया था और जातियों को फिर से समूहों में बांटकर तीन अलग श्रेणियों में विभाजित किया तथा वन्नियार को 10 प्रतिशत उप-आरक्षण मुहैया कराया था। वन्नियार को पहले वन्नियाकुल क्षत्रिय के नाम से जाना जाता था।

जन हितैषी

इमरान का संकट

पाकिस्तान की सियासत का अब हर दिन बेहद अहम है। वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश हो चुका है। प्रस्ताव पर चार अप्रैल को वोटिंग होगी। लेकिन प्रस्ताव से पहले ही इमरान सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान की जम्हूरी वतन पार्टी के नेता और बलूचिस्तान में सलाहकार शाहजैन बुगती ने इमरान की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के बिलावल भुट्टो के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुगती ने कहा कि मैं अब विपक्षी गठबंधन के साथ हूं। इससे पहले उनकी पार्टी के 24 सांसद और तीन सहयोगी दल इमरान का साथ छोड़ चुके हैं। पाकिस्तान की संसद में बहुमत के लिए 172 सांसदों की जरूरत है। इमरान के पास 179 सदस्य हैं। जिसमें पीटीआई के 155 सदस्य हैं। लेकिन सांसदों के बागी होने के बाद अल्पमत में इमरान सरकार है। अब तक करीब 24 सांसद इमरान खान का साथ छोड़ चुके हैं। जिसके बाद से कहा जा रहा है कि इमरान के लिए सरकार बचाना काफी मुश्किल हो चुका है।

इमरान खान की स्थिति अनिश्चित है और चार सहयोहियों में से तीन ने एमक्यूएम-पी, पीएमएल-क्यू और बीएपी ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को अपना समर्थन दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने उसी के अनुसार मतदान करने की बात भी कही है। विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पास कराने के लिए 172 सदस्यों की जरूरत है, लेकिन उन्हें 190 सदस्यों का समर्थन मिल सकता है। इस बीच इमरान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सदस्यों को वोटिंग से दूरी बनाने की हिदायत दी है। कहा जा रहा है कि इमरान को अपनी पार्टी के सदस्यों पर ही भरोसा नहीं है कि वे उनके पक्ष में वोट करेंगे। इमरान इसलिए नहीं चाहते की उनकी पार्टी के सदस्य वोटिंग में शामिल हों, क्योंकि वोटिंग के दौरान बगावत करने वालों की संख्या 24 से बढ़कर 40 तक हो सकती है। पाकिस्तान की ताकतवर सेना पहले ही कह चुकी है कि वह इस मामले में तटस्थ रहेगी। सेना की तटस्थता का सबूत यह भी है कि हाल ही में खैबर पख्तुनख्वा में स्थानीय निकाय के और पंजाब में एक जगह उपचुनाव हुए। दोनों ही जगह पीटीआई सत्ता में है।

जब विपक्ष को यकीन हो गया कि इमरान की मदद के लिए सेना हस्तक्षेप नहीं करेगी, तभी उसने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भेजा। फिर सत्तारूढ़ पीटीआई के कुछ सांसदों ने पाला बदलते हुए खुलेआम कहा कि वे विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करेंगे, तब सैन्य प्रतिष्ठान ने उन्हें नहीं रोका। इस पर नाराज इमरान खान ने एक रैली में पूछा कि तटस्थता क्या होती है। उन्होंने कहा कि हर आदमी को किसी पक्ष को चुनना पड़ता है। तटस्थ तो सिर्फ जानवर होते हैं। यह सभी को पता है कि इमरान सत्ता में सेना की वजह से ही आए थे और अब तक उसी के कहे अनुसार चलते रहे। मुसीबत के समय जब सेना ने साथ छोड़ा तो इमरान की खीझ भी सामने आ गई।

वर्ष प्रतिपदा : संपूर्णता के लिए शक्ति आराधना का उत्सव

शक्ति की आराधना के विशिष्ट साधनाकाल चैत्र नवरात्र का शुभारंभ हमारे भारतीय नववर्ष अर्थात वर्ष प्रतिपदा से होता है। इसमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के अनेक प्रसंग निहित हैं। भगवान श्रीराम और सम्राट युधिष्ठिर का इसी दिन राज्याभिषेक हुआ था। भारत में प्रचलित सभी संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही आरंभ हुए। वर्तमान में प्रचलित संवतो में सबसे प्राचीन युगाब्ध माना जाता है जो कलियुग का आरंभसूचक है। हम जानते हैं कि हमारे राजकीय कार्य भले ही शक संवत के अनुसार नियत होते हैं लेकिन आम जनमानस की सामाजिक कार्यों में विक्रमी संवत ही स्वीकार्य है जो समा्रट विक्रमादित्य द्वारा आक्रमणकारी शकों से मुक्ति का प्रतीक है। ब्रम्हपुराण में उल्लेख है . चैत्रमासे जगद्वब्रम्हा ससर्ज पृथमेहिनी ---- अर्थात प्रतिपदा तिथि को ही ब्रम्हा जी ने सृष्टि की रचना कर मानव की उत्पत्ति की थी। सृष्टि का संबंध प्रकृति से है और प्रकृति को नारी की संज्ञा दी गई है जिसे शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है।

शाक्त् दर्शन स्त्रैरण प्रधानता की अभिव्यिक्ति है। शिव वह महायोगी हैं जो समस्तं इन्द्रियों को नियंत्रित कर भूख और कामनाओं पर नियंत्रण से मोक्ष को प्राप्तव होते हैं। पुरुष भी ब्रम्हव को सत्यत मानते हुए प्रकृति की सत्तौ को अस्वी्कार करता है। इसलिए अनेक संस्कारिों और विविध उपासना मार्गों से संपूर्णता को अनुभूत कर वह मोक्ष प्राप्तक करना चाहता है। स्त्रीय को सृजन का आधार माना गया है। अनेक तथ्योंं पर वह पुरुष से प्रधान है। वह संपूर्णता के साथ जन्मा लेती है, उसमें डिम्ब- गुणसूत्र सहित विविध संरचनायें पुरुषों की तुलता में अधिक पायी जाती हैं क्यों्कि वह कोख से काल्पीना को आकृति देती है इसलिए वह अपने आप में ब्रम्हाा का प्रतीक है क्यौंकि ईश्वयरीय अनुभूतियों और संपूर्णता के साथ वह मोक्ष अवस्थान को प्राप्ते हो चुकी होती है। क्योंकि ब्रम्हाी को सृष्टि का सर्जक माना गया है, इसलिए ईश्वकर की कल्पमनाकृति में स्त्री्ण गुण की प्रधानता परिलक्षित होती है। वह प्रत्येधक जन्म में भूख अथवा अतृप्तण से पुत्ती में पड़े जीवों की मुक्ति के लिए आदियोगी शिव को हिमालय से काशी लाने के लिए उद्यत है। अंततः अर्द्धनारीश्वशर काशी आकर माता अन्न पूर्णा से भिक्षा प्राप्तु कर जीवों को तृप्तै करते हैं।

नारद ऋषि की वीणा से गिरी माला के आघात से जब इंदुमती की मृत्युल हो गई तब अपनी सहज धीरता का त्यामग कर राजा अज के इस विलाप से द्रवित (प्रकृति प्रतीक)हो वृक्ष भी अपनी शाखाओ से रसस्त्रा व कर रोने लगते हैं।

निराला रचित 'राम की शक्ति पूजा' में जब विजय से शंकित राम को देख जामवंत शक्ति की ,आराधन करने को कहते हैं तो परीक्षास्वररूप दुर्गा अंतिम कमल उठा लें जाती हैं लेकिन बलिदान की भावना से बाण से जैसे ही राम कमलरूपी नयन निकालने को उद्यत होते हैं 'महाशक्ति राम के वदन में लीन हो जाती है। परिणामस्वारूप राम संपूर्ण हो विजयी होते हैं।

अद्वैतवाद में 'ब्रम्हं सत्यंद जगत्तैमिथ्यार' के सूत्रधार शंकराचार्य एक बार जब ब्रह्म मुहूर्त में स्नान हेतु मणिकर्णिका घाट जा रहे थे तभी उन्होंने मार्ग में मृत पति को गोद में लिए विलाप करती स्त्री् को देखा । तंग रास्तें से शव हटाने के आचार्य शंकर के अनुरोध पर वह बोली – 'आप ही इस शव को हट जाने के लिए क्यों नहीं कहते?' यह सुनकर आचार्य बोले- 'हे देवी! आप शोक में कदाचित यह भी भूल गई कि शव में स्वयं हटने की शक्ति ही नहीं है।' स्त्री ने तुरंत उत्तर दिया- 'महात्मन् आपकी दृष्टि में तो शक्ति निरपेक्ष ब्रह्म ही जगत का कर्ता है, फिर शक्ति के बिना यह शव क्यों नहीं हट सकता?' उस स्त्री के ऐसे गंभीर, ज्ञानमय, रहस्यपूर्ण वाक्य सुनकर आचार्य की समाधि लग गई। अंतःचक्षु में उन्होंने देखा- सर्वत्र आद्याशक्ति महामाया लीला विलाप कर रही हैं। उनका हृदय अनिवर्चनीय आनंद से भर गया और मुख से मातृ वंदना की शब्दमयी धारा के रूप में 'सौन्दर्य लहरी', के भक्तिरसपूर्ण स्तोत्र फूट पड़े।

बोधगया में बुद्ध ने निरंजना नदी के तट पर कठोर तपस्या की तथा सुजाता द्वारा अर्पित खीर से उपवास तोड़ा। पुत्रप्राप्ति से प्रसन्नं सुजाता ने कहा- 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई, उसी तरह आपकी भी हो।' उसी रात ध्यानस्थर सिद्धार्थ को ज्ञानबोध हुआ, तभी से सिद्धार्थ 'बुद्ध' कहलाए।

भगवती सूत्र के अनुसार तीर्थंकर महावीर स्वाधमी जयंती नामक राजकुमारी से गंभीर तात्विक एवं धार्मिक संवाद से प्रभावित हो पुरुषों को पत्नीभ हित में गृहस्थातश्रम पालन को श्रेष्ठी बताया। उनके 'सप्पुंरिसो...पुत्त्दारस्सत अत्याए हिताए सुखय होति... के फलस्वतरूप तीर्थंकर महावीर के दस चतुर्वधि रूप में विकेन्द्रित पूर्ववर्ती परंपरा के पालन से विधवा सहित अन्यप उपेक्षित नारियों को भिक्षुणियों, श्राविका जैसा गुरुतर सम्माईन मिला।

विक्रमोर्वशीयम' में कालिदास मानव हृदय को चेतन प्रकृति के साथ एक करते हैं शकुन्तलला के पतिगृह जाने के दौरान तपोवन की समस्ता प्रकृतिउसे उपहारसहित आशीर्वाद देने लगती है। उसके आसन्नम विरह के बोध से कातर होकर आँसू बहाती है। उसी चेतन प्रकृति से पुरुरवा बार-बार अपनी प्रिया उर्वशी का पता पूछता है।' 'कामार्त्तार हि प्रकृति कृपणाश्चेहतनाचेतनेषु'' अर्थात कार्मात्त् चेतन और अचेतन में कहाँ भेद कर पाते हैं ।

ईश्वर, जीव, प्रकृति(परमाणु), काल एवं आकाश अनादि हैं। वेद के द्वा-सुपर्णा मन्त्र के दृष्टान्त में प्रत्यक्ष रूप से तीन सत्तायें (ईश्वर, जीव, प्रकृति) ही प्रतीत होती हैं, जबकि दो अन्य सत्तायें (काल, आकाश) भी परोक्ष-रूप से उपस्थित है, क्योंकि बिना आकाश के वृक्ष हो नहीं सकता और बिना काल के व्यतीत हुए फल का खाना आदि भोग भी असम्भव है। आकाश में ही परमाणु (प्रकृति) स्थित हैं, जो स्थूल होकर दृश्य-जगत का निर्माण करते हैं। अतः सत्य संसार भी है, ब्रह्म भी। सत्य देह भी है और आत्मा भी। इनमें तालमेल है। गहन ऐक्य है, अद्वैत है व परस्पसर संगीतपूर्ण लयबद्धता है। यह जगत ब्रह्म से ही विस्तीर्ण है, ये पहाड़, नदी, झरने, रंग, ये फूल ये व्यक्तित्व ये रूप के वैविध्य में वही है। कबीर का संन्यांसी जगत को स्वी कारते हुए ब्रह्म में रहता है क्योंकि दोनों एक ही सत्य के दो पहलू हैं।

चुवत अमीरस, भरत ताल जहं, शब्द उठै असमानी हो,
सरिता उमड़ि सिंधु को सोखै, नहिं कछु जाए बखानी हो।
अर्थात यह सृष्टि ब्रह्म से ही विस्तीर्ण होने के कारण ऐक्य है।
(लेखक- राकेश कुमार वर्मा/ईएमएस)

भ्रष्ट नौकरशाही जनकांक्षाओं को कब्र बना देती है

राष्ट्र-चिंतन :

- योगी के लिए बईमान नौकरशाही बनेगी मुसीबत

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ फिर से मुख्यमंत्री बन गये हैं। उनका भारी-भरकम मंत्रिमंडल काम करना भी शुरू कर दिया है। प्रचारित यह किया गया है कि मंत्रिमंडल के गठन में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व मिला है, इसलिए सभी वर्गो का विकास सुनिश्चित है। खासकर मुस्लिम वर्ग के प्रतिनिधित्व को लेकर खास तरह की चर्चा है। चर्चा यह है कि भाजपा ने ऐसे व्यक्ति को मंत्रिमंडल में जगह दी है जो शिया मुस्लिम नहीं है बल्कि सुन्नी मुस्लिम है और वह गरीब, अपमानित और हाशिये पर खड़ी मुस्लिम जाति का प्रतिनिधित्व करता है। अब तक भाजपा पर शिया मुस्लिम का प्रभुत्व ही रहता था। योगी के पहले कार्यकाल में जो एक मात्र मुस्लिम मंत्री हुआ करते थे वे शिया मुस्लिम जाति का ही प्रतिनिधित्व करते थे। यूपी और खासकर लखनउ में शिया व सुन्नी मुस्लिम जातियों के बीच वर्चस्व के झगड़े होते रहे हैं। इसके साथ ही साथ केशव प्रसाद मौर्या भी फिर से उप मुख्यमंत्री बन गये हैं। केशव प्रसाद मौर्या विधान सभा का चुनाव हार चुके थे। केशव प्रसाद मौर्या को भाजपा का पिछड़ा चेहरा माना जाता है और यह कहा जाता है कि केशव प्रसाद मौर्या ने पिछड़ों के बीच भाजपा की पहुंच कायम करने में बहुत बड़ी भूमिका निभायी है। यह सही बात है कि पिछड़ों की राजनीति के प्रबंधन में भाजपा जरूर चैम्पियन रही है। यही कारण है कि अखिलेश यादव पिछड़ों की राजनीति के प्रबंधन में फिसड्डी साबित हुए। अगर पिछड़ों की राजनीति के प्रबंधन में भाजपा विफल होती तो निश्चित मानिये कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को जीत नहीं मिलती। चुनावी राजनीति में सिर्फ विकास और उन्नति पर ही वोट मिलेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। चुनावी राजनीति में जाति भी एक महत्वपूर्ण केन्द्र बन गयी है। जातीय आधार पर वोट करने की परम्परा विकसित हुई है जो चुनावों के दौरान स्पष्ट दिखती है।योगी का यह कहना भी है कि उनका दूसरा कार्यकाल बेमिसाल और जनकांक्षाओं के प्रतीक साबित होगा।

विचारण का महत्वपूर्ण विषय यह है कि क्या भारी-भरकम मंत्रिमंडल का गठन कर देने मात्र से, मंत्रिमंडल में सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर देने मात्र से ही उत्तर प्रदेश की जनता की जनकांक्षाएं पूरी हो जायेंगी? स्वच्छ और पारदर्शी शासन देने का स्थयी वायदा पूरा हो जायेगा, जरूरत मंदों की निजी कार्यो के निस्तारण में गति आयेगी? भ्रष्टचार और कदाचार कम होगा? नौकरशाही जो भ्रष्ट है और निकम्मी है, वह शिष्ट और सक्रिय बनेगी, पुलिस जो आम लोगों पर अत्याचार करती है, उत्पीड़न करती है, जेल भेजने या फिर झूठे मुकदमों का अपराधी बनाने की डर दिखा कर जो वसूली करती है, वह वसूली बंद हो जायेगी? क्योंकि आम जनता की शिकायत अधिकतर नौकरशाही के प्रति ही होती है, आम जनता की इच्छाओं और भविष्य की कब्र बनाने के लिए नौकरशाही हमेशा यमराज की भूमिका में होती है।

नौकरशाही को जनाकांक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाने की सारी कोशिशें विफल ही साबित होती है। जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है तो नौकरशाही को जिम्मेदार बनाने की कभी कोई सार्थक प्रयास ही नहीं हुआ। मायावती की जब सरकार थी तब भी नौकरशाही भ्रष्ट थी,अराजक थी और जनता के लिए यमराज थी। अखिलेश यादव की जब सरकार थी तब भी नौकरशाही की स्थिति वैसी ही थी जो मायावती की सरकार में थी। मायावती और अखिलेश की सरकार के दौरान नौकरशाही पूरी तरह से भ्रष्ट ही थी। अब यहां यह प्रश्न भी उठता है कि योगी के प्रथम कार्यकाल में नौकरशाही कैसी थी? नौकरशाही क्या जनता के प्रति जिम्मेदार थी, नौकरशाही क्या ईमानदार थी, नौकरशाही क्या सरकार की विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए सक्रिय थी? इन सभी प्रश्नों के उत्तर कोई खास उत्साह जनक नहीं थे। योगी जरूर ईमानदार हैं। योगी संत है, परिवार और संपत्ति मोह के गुलाम नहीं है। योगी पर अखिलेश या मायावती की तरह धन का जुगाड़ करने और परिवार के लिए कार्य करने जैसे आरोप नहीं लगाये जा सकते हैं। पर प्रशासनिक अमले को जिम्मेदार बनाने की सफलता और असफलता पर योगी की आलोचना और समालोचना क्यों नहीं हो सकती है? निश्चित तौर पर योगी के प्रथम कार्यकाल के दौरान भी नौकरशाही पूरी तरह से ईमानदार नहीं थी और सरकारी योजनाओं का बंदरबांट करने में अपनी भूमिका निभा रही थी।

नौकरशाही के भ्रष्ट होने और नौकरशही के निकम्मेपन की शिकार सरकारी योजनाएं ही होती हैं। देश में जितनी भी लोकप्रिय और जनता के महत्व-विकास वाली योजनाएं आयी वे सफल क्यों नहीं हुई, उन सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ जनता को क्यों नहीं मिला? इसके पीछे भी कारण नौकरशाही ही है। फाइल दबा कर बैठना, फाइल पर गलत नोटिंग कर अटका कर रखना, नौकरशाही की ऐसा करतूत है जिसकी सजा जनता तो भुगतती ही है, इसके अलावा सरकार भी भुगतती है, सरकार की छबि खराब होती है। स्थिति तो यहां तक है कि छोटे-छोटे कार्य जैसे जाति प्रमाण पत्र बनाने, आय प्रमाण पत्र बनाने, आवास प्रमाण पत्र बनाने, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने, वसीयत पंजीकरण बनाने आदि कार्य में भी नौकरशाही के लिए रिश्वत निर्धारित है, रिश्वत नहीं देने पर ये सभी कार्य संभव ही नहीं होंगे? रिश्वत के पैसे नहीं देने पर समय नहीं है, टेकनिकल गड़बडी है, साहेब नहीं है, इसलिए बाद में आइये, कह कर घूमाया जाता है। बड़ी-बड़ी योजनाओं को लटका कर नौकरशाही रखती है ताकि महंगाई का बहाना बना कर योजनाओं की नीयत राशि में वृद्धि की जा सके। जो योजनाएं कम समय और कम राशि में बन सकती है, उन योजनाओं में समय ज्यादा लगता है और नीयत राशि में बेतहाशा वृद्धि होती है।

अच्छा मंत्रिमंडल और ईमानदार मुख्यमंत्री भी विकास और ईमानदार प्रशासन की गारंटी नहीं हो सकते हैं। मनमोहन सिंह इसके उदाहरण हैं। मनमोहन सिंह को बेहद ईमानदार व्यक्ति माना जाता है पर प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिह घोटालों और कदाचारों के घिनौना बादशाह साबित हुए। यह अलग बात है कि इसके लिए मनमोहन सिंह के सामने सोनिया गांधी और अन्य कांग्रेसियों की इच्छाएं मजबूरी के तौर पर सामने थी। योगी के प्रथम कार्यकाल के दौरान भी विधायक और सांसद लाचार थे। विधायकों और सांसदों की बात छोड़ दीजिये बल्कि योगी के मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों की बात भी नौकरशाही नहीं सुनती थी। यूपी में एक कहावत बहुत ही तेजी के साथ घूमती-फिरती थी कि योगी के मंत्री,विधायक और सांसदों की बात कोई चपरासी तक नहीं सुनता, पुलिस तो भाजपा के मंत्रियों और विधायकों-सांसदों को डांट कर भगा देती है।यह कोई सतही बात नहीं थी बल्कि चाकचौबंद बात थी। भाजपा के एक विधायक राजकुमार सहयोगी की थाने में अदना सा दारोगा ने पिटाई कर दी थी, दर्जनों विधायकों ने विधान सभा में सरेआम आरोप लगाये थे कि नौकरशाही और पुलिस अराजक, बेलगाम है और भ्रष्ट है, और उनकी बात भी नहीं सुनती है। जब कोई सरकारी कर्मचारी विधायकों, सांसदों और मंत्रियों की बात ही नहीं सुनेगा तो फिर जनता की बात सरकारी कर्मचारी कैसे सुनती होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

नौकरशाही कैसे रंग बदलती है, इसका अहसास योगी आदित्यनाथ को भी हो गया है। जिस नौकरशाही को वह अपना हितैषी और निष्पक्ष मानते थे वही नौकरशाही ने चुनाव के दौरान रंग बदल लिया था। कई वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने कार्यालय और सरकारी भवनों को हरे और लाल रंग में रंगवाना शुरू कर दिया था। मुस्लिम गुंडागर्दी-सपाई गुंडागर्दी खुलेआम छूट दे दी गयी थी। इसीलिए योगी को कहना पडा था कि अभी जो गर्मी दिख रही है यानी जो गुंडागर्दी दिख रही है वह गुडागर्दी 10 मार्च को शांत हो जायेगी, हम मई-जून के गर्मी महीने को भी शिमला बना देते हैं, यानी की गुंडागर्दी का दमन कर देते हैं। योगी को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों, विधायकों, सांसदो के प्रति नौकरशाही को जिम्मेदार और समर्पित करना ही होगा। अन्यथा आम जनता की योगी के प्रति मिला विश्वास बेअर्थ साबित होगा। (लेखक- विष्णु गुप्त/ईएमएस)

जब भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने बनाया लाखों लोगों को 'मूर्ख'

आज का इतिहास 1 अप्रैल

1855 पहला बंगाली प्रीमियर 'वाणी परिचय' ईश्वरचंद विधासागर ने प्रकाशित किया.
1861 आयकर अधिनियम प्रभावी हुआ.
1861 नया तलाक अधिनियम प्रभावी हुआ.
1881 मद्रास का साप्ताहिक 'हिन्दू' दैनिक बना.
1912 दिल्ली राजधानी बनी.
1930 लड़का और लड़की की विवाह योग्य आयु क्रमश 18 और 15 वर्ष तय की गई.
1933 जर्मनी ने यहूदियों के व्यापार का बहिष्कार किया और उनके बैंक खाते जब्त कर लिए.
1934 भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना.
1936 उड़ीसा अलग राज्य बना.
1937 भारतीय प्रांतों के प्रशासन संबंधी कानून प्रभावी हुआ.
1953 सुब्रत मुखर्जी वायु सेना के प्रथम भारतीय प्रमुख बने.
1956 कंपनी अधिनियम प्रभावी हुआ.
1957 नया पैसा चलन में आया.
1962 मापतोल की मीट्रिक प्रणाली लागू हुई .
1969 तारापुर स्थित पहले परमाणु ऊर्जा केन्द्र से उत्पादन शुरू हुआ .
1992 डाक बचत बैंक प्रणाली लागू हुई
1997 पाकिस्तान की संसद ने संविधान में संशोधन कर राष्ट्रपति के अधिकारों में व्यापक कटौती की.
1998 हरियाणा में शराबबंदी समाप्त.
2002 नीदरलैंड में सहज मृत्यु को वैधानिकता.

(मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष)

दुनियाभर में एक अप्रैल का दिन 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस दिन हल्के-फुल्के हंसी-मजाक के सहारे लोग एक-दूसरे को 'मूर्ख' बनाकर माहौल को मनोरंजक बनाने का प्रयास करते देखे जाते हैं। बहुत बार ऐसे वाकये भी सामने आते रहे हैं, जब दूसरों को मूर्ख बनाने की कोशिश में कुछ लोग स्वयं ही मूर्ख बन गए। कभी-कभार ऐसे मनोरंजक अवसर भी देखे गए हैं, जब मूर्ख दिवस के अवसर पर एक साथ हजारों की संख्या में लोग 'मूर्ख' बन गए और वास्तविकता जानने के बाद हंसते हुए अपने-अपने घर लौट गए। सामूहिक तौर पर लोगों को मूर्ख बनाने या लोगों का मनोरंजन करने के लिए कभी-कभार दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कुछ अखबारों तथा अन्य संचार माध्यमों के जरिये भी अनोखे तरीके अपनाए जाते रहे हैं।

मूर्ख दिवस दुनियाभर में हंसने-हंसाने और हल्के-फुल्के मजाक के जरिये लोगों को बेवकूफ बनाने के दिन के रूप में सदियों से मनाया जाता रहा है लेकिन दावे के साथ यह नहीं कहा जा सकता कि मूर्ख दिवस मनाए जाने की कब और कैसे शुरू हुई थी। हालांकि माना यही जाता है कि इस दिवस को मनाने की शुरूआत फ्रांस में 1 अप्रैल 1564 से शुरू हुई थी, जब वहां के राजा ने चटपटी और मनोरंजक बातों के माध्यम से लोगों के बीच मित्रता और प्रेम भाव की स्थापना के लिए एक अनोखी सभा का आयोजन कराया था। राजा द्वारा उस अनोखी सभा के बाद अनोखा फैसला लिया गया कि अगले साल से ऐसी ही सभा का आयोजन एक अप्रैल के ही दिन प्रतिवर्ष होगा, जिसमें सबसे ज्यादा मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले शख्स को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

बहरहाल, समय-समय पर अनेक ऐसे प्रसंग सामने आते रहे हैं, जब दुनिया की कुछ बड़ी-बड़ी शख्सियतें भी इस दिन लोगों को मूर्ख बनाने का प्रयास करती देखी गई। ऐसा ही एक दिलचस्प वाकया आधुनिक हिन्दी साहित्य के जनक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साथ भी जुड़ा हुआ है। दरअसल उन्होंने एक बार ऐसी अनोखी घोषणा की कि अनायास ही उनकी बातों पर विश्वास कर लाखों लोग एक साथ मूर्ख बन गए। अब भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अगर कोई घोषणा की थी तो लोगों का उनकी बातों पर आंख मूंदकर भरोसा करना भी स्वाभाविक ही था लेकिन लोगों को क्या पता था कि वे उनके साथ मजाक कर उन्हें अप्रैल फूल रूपी हंसी-मजाक भरा तोहफा दे रहे हैं। भारतेन्दु ने घोषणा करते हुए कहा कि पहली अप्रैल के दिन एक बहुत ही पहुंचे हुए सिद्ध महात्मा काशी में गंगा नदी को पैदल ही पार करेंगे। अब ऐसी चमत्कारिक घटना को भला कौन व्यक्ति को अपनी आंखों से देखने का मौका गंवाना चाहता, इसीलिए काशी में गंगा के तट पर उनके द्वारा बताए गए दिन और नियत समय पर कई वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारियों सहित लाखों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

बताए गए समय पर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र बनारस के घाट पर पहुंच गए। उनके साथ भगवा वस्त्र धारी एक महात्मा भी थे, जो चेहरे से कोई सिद्धपुरूष ही प्रतीत हो रहे थे। भारतेन्दु ने उन महात्मा के साथ घाट पर पहुंचकर वहां उपस्थित लाखों लोगों की भीड़ का अभिवादन किया और घोषणा की कि महात्मा जी की तबीयत अभी कुछ खराब है, इसलिए वे गंगा नदी के उस पार जाने के लिए तो नाव का सहारा लेंगे लेकिन वहां से वापस लौटते समय गंगा नदी को पैदल पार करके ही इस तरफ तट तक आएंगे। अब भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की बात पर भला कौन अविश्वास करता, इसलिए लोग दम साधे उस पल की प्रतीक्षा करने लगे, जब उन्हें पैदल नदी पार करते उन अलौकिक सिद्ध महात्मा के दर्शन होते।

आखिरकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र सन्यासी के साथ एक नाव में सवार होकर गंगा नदी में दूसरे छोर की ओर जाने के लिए निकल पड़े लेकिन यह क्या! अचानक वहां एकत्रित लोगों के साथ कुछ ऐसा हुआ, जब उन्होंने स्वयं को ठगा सा महसूस किया और वे हंसते-खिलखिलाते वापस लौट गए। दरअसल गंगा में थोड़ा आगे बढ़ने पर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने नाव से ही 'मूर्ख दिवस' का एक बड़ा सा बैनर हवा में लहरा दिया और ब्रिटिश अधिकारियों सहित लाखों लोगों को यह समझते देर नहीं लगी कि भारतेन्दु ने पहली अप्रैल के दिन उन्हें सामूहिक रूप से 'मूर्ख' बनाने के लिए उनके साथ यह मजाक किया था। (लेखिका शिक्षिका हैं) (ले?खिका - श्वेता गोयल/ईएमएस)

चुनावी बांड की बिक्री एक अप्रैल से

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने चुनावी बांड की 20वीं किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी। बांड बिक्री के लिए एक अप्रैल से 10 अप्रैल तक खुलेगा। राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए गए नकद चंदे के विकल्प के रूप में चुनावी बांड पेश किया गया है। हालांकि विपक्षी दल इस तरह के बांड के जरिये चंदे में कथित रूप से पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताते रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा ?कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को उसकी 29 अधिकृत शाखाओं के जरिये 20वें चरण की बिक्री को लेकर बांड जारी करने और उसे भुनाने के लिए अधिकृत किया गया है। यह बिक्री एक अप्रैल से 10 अप्रैल, 2022 तक होगी। एसबीआई की ये 29 शाखाएं लखनऊ, शिमला, देहरादून कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, पटना, नयी दिल्ली, चंडीगढ़, श्रीनगर, गांधीनगर, भोपाल, रायपुर और मुंबई जैसे शहरों में हैं। इस साल के आ?खिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। योजना के प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बांड किसी भी भारतीय नागरिक या देश में स्थापित या गठित इकाइयां खरीद सकती हैं। पिछले लोकसभा या विधानसभा चुनावों में कम-से-कम एक प्रतिशत वोट हासिल करने वाले पंजीकृत राजनीतिक दल चुनावी बांड प्राप्त करने के पात्र हैं। इससे पहले बांड बिक्री की 19वीं किस्त एक जनवरी से 10 जनवरी, 2022 तक हुई थी।

शब्द पहेली - 7242

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -7241 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आज पंजाब के खिलाफ जोखिम लेने की रणनीति से उतरेगी केकेआर

मुंबई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तब उसके जोखिम लेने की रणनीति के साथ बरकरार रहने की उम्मीद है, भले ही उस अभी तक इससे मिश्रित नतीजे मिले हों।

पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से तीन विकेट की हार मिली थी, हालांकि टीम कम स्कोर के बावजूद मैच को करीबी बनाने में सफल रही थी। पंजाब किंग्स ने अपना अभियान जीत से शुरू किया और टीम अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी क्योंकि उसने अपने पहले मैच में 200 से ज्यादा रन गंवा दिए थे। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा के तीन दिवसीय पृथकवास पूरा करने के बाद खेलने की उम्मीद है, इससे पंजाब के गेंदबाजी के आक्रमण को मजबूती मिलेगी। वानखेड़े की पिच पर अभी तक दो ही मैच हुए हैं और उन्हें देखकर लग रहा है, कि बल्लेबाजी करना आसान नहीं रहा है।

दो महीने लंबे समय तक चलने वाले आईपीएल के लिए यह शुरूआत ही हो, लेकिन टॉस अभी से ही मैच के नतीजों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, क्योंकि मैच की दूसरी पारी में ओस का असर पड़ रहा है। केआरके के सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे और आक्रामक वेंकटेश अय्यर आरसीबी के खिलाफ सस्ते में आउट हो गए थे, जिससे अब ये दोनों टीम को मजबूत शुरूआत कराने की कोशिश करने वाले हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर आरसीबी के खिलाफ भले ही विफल रहे हों लेकिन वह अच्छी फॉर्म में हैं और वह टीम के लिए अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें अन्य साथियों जैसे नीतिश राणा के सहयोग की जरूरत होगी। बाएं हाथ के बल्लेबाज राणा के लिए निरंतर प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण होगा। इन दोनों के अलावा मध्यक्रम की जिम्मेदारी सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन और 'बिग हिटर' आंद्र रसेल के कंधों पर होगी।

केकेआर के लाइन अप में इसतरह के बल्लेबाज हैं, जो किसी भी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं और टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि पंजाब के खिलाफ ये सभी एकजुट होकर प्रदर्शन करें गेंदबाजी की बात करें तब तेज गेंदबाज उमेश यादव दोनों मैचों में नई गेंद से शानदार रहे। न्यूजीलैंड के अनुभवी गेंदबाज टिम साउदी को भी अहम भूमिका निभानी होगी। कोलकाता की टीम के लिए हालांकि चिंता का विषय स्पिनर वरूण चक्रवर्ती की फॉर्म का होगा जिन्हें जल्द ही वापसी करनी होगी। पंजाब के लिए काफी कुछ उसके शीर्ष तीन खिलाड़ियों- कप्तान मयंक अग्रवाल, शिखर धवन और श्रीलंका के भानुका राजपक्षे पर निर्भर होगा। राजपक्षे ने आरसीबी के खिलाफ मैच विजयी पारी खेली थी। मुख्य कोच अनिल कुंबले हालांकि मध्यक्रम से और योगदान देने की उम्मीद करेंगे जिसमें ओडियन स्मिथ और शाहरूख खान ने आरसीबी के खिलाफ अपनी टीम के लिये रन जुटाकर अपनी अहमियत साबित की।

देखना होगा कि अंडर-19 विश्व कप स्टार राज बावा को एक और मौका मिलेगा या नहीं क्योंकि वह अपने आईपीएल पदार्पण में विफल रहे थे। पंजाब के गेंदबाज संदीप शर्मा, अर्शदीप सिंह और ओडियन सिंह को केकेआर के खिलाफ अपने खेल में सुधार करना होगा। राहुल चाहर और हरप्रीत बरार की स्पिन जोड़ी के आठ ओवर भी मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं।

टीमें :

कोलकाता नाइट राइडर्स : अभिजीत तोमर, अजिंक्य रहाणे, बाबा इंद्रजीत, नीतीश राणा, प्रथम सिंह, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), अशोक शर्मा, पैट कमिंस, रसिख डार, शिवम मावी, टिम साउथी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती, अमन खान, आंद्रे रसेल, अनुकुल रॉय, चमिका करुणारत्ने, मोहम्मद नबी, रमेश कुमार, सुनील नारायण्, वेंकटेश अय्यर, सैम बिलिंग्स, शेल्डन जैक्सन।

पंजाब किंग्स : मयंक अग्रवाल (कप्तान), शिखर धवन, अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा, जॉनी बेयरस्टॉ, राहुल चाहर, हरप्रीत बरार, शाहरूख खान, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, ईशान पोरेल, लियाम लिविंगस्टोन, ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, राज अंगद बावा, रिषि धवन, प्रेरक मांकड़, वैभव अरोड़ा, रितिक चटर्जी, बलतेज ढांडा, अंश पटेल, नाथन एलिस, अथर्व तायडे, भानुका राजपक्षा, बेनी होवेल।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 137 रनों से हराया, ऑस्ट्रेलिया से होगा फाइनल

मुंबई (ईएमएस)। महिला वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड की टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 137 रनों के बड़े अंतर से हराया। फाइनल में इंग्लैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की टीम टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट खोकर 293 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से ओपनिंग बैटर डेनियल वॉट ने 125 रनों की आकर्षक पारी खेली। इस लक्ष्य के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 38 ओवर में 156 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की ओर से सोफी एलेक्सटोन ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 38 रन देकर छह विकेट झटके।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में हुए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान सुने लुस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उनके फैसले को तेज गेंदबाज मेरीजेन केप ने सही साबित किया। इंग्लैंड की टीम को पहला झटका 10 रन के स्कोर पर ही लगा। इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज टेमी ब्यूमोंट सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गई। डेनियल वॉट ने एक छोर थामे रखा। उन्होंने 125 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 129 रनों की पारी खेली। कप्तान हीथर नाइट कुछ खास नहीं कर सकी और 1 रन बनाकर आउट हो गईं। ब्यूमोंट के अलावा सोफिया डंकले ने भी 60 रन बनाए।

आईपीएल के बीते चार सीजन में केएल राहुल ने लगाए सबसे ज्यादा छक्के

-राहुल को थामना चेन्नई के लिए होगी सबसे बड़ी चुनौती

मुंबई (ईएमएस)। क्रिकेट को रोमांच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए-2022) में चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमों का मुकाबला होंगा। दोनों टीमों की सीजन की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। चेन्नई को कोलकाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं लखनऊ की टीम को गुजरात टाइटंस ने हराया था। अपना पहला सीजन खेल रही लखनऊ की कमान धुरंधर बल्लेबाज केएल राहुल के हाथों में है। राहुल हालांकि गुजरात के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन चेन्नई के कप्तान रविंद्र जडेजा को मालूम है कि एक बार लय पकड़ पाने के बाद राहुल को रोकना मुश्किल है।

राहुल ने बीते सीजन में 626 रन बनाए थे। इसके अलावा 2020 में 670, 2019 में 593 और 2018 में 659 रन बनाए थे। यानी बीते चार सीजन में वह तीन बार छह सौ से ज्यादा रन बना चुके हैं। और एक बार सिर्फ सात रन से ही पीछे रहे थे। राहुल की फॉर्म जडेजा को चिंता में डाल सकती है।

केएल राहुल के साथ खासियत यह है कि वह परंपरागत शॉट खेलते हुए भी तेजी से रन बना सकते हैं। इसके अलावा इनोवेशन में भी उनका कोई जवाब नहीं। राहुल को जो बात सबसे ज्यादा खतरनाक बनाती है वह उनके सिक्स मारने की काबिलियत। यह बात शायद आपको हैरान करे लेकिन बीते चार सीजन में आईपीएल में सबसे ज्यादा सिक्स मारने वाले बल्लेबाज न तो कायरन पोलार्ड हैं, न आंद्रे रसल और न ही रोहित शर्मा। इस सूची में सबसे ऊपर नाम आता है केएल राहुल का।

पंजाब किंग्स के इस पूर्व कप्तान ने 56 पारियों में 110 छक्के लगाए हैं। यानी हर पारी में लगभग दो सिक्स। यह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि जडेजा ऐंड कंपनी के लिए इस सलामी बल्लेबाज पर जल्द लगाम लगाना कितना जरूरी है। और जडेजा यह काम खुद बहुत अच्छा कर चुके हैं। उन्होंने हालांकि राहुल को टी20 क्रिकेट में कभी आउट नहीं किया है लेकिन राहुल के लिए जडेजा की गेंदबाजी पर रन बनाना कभी आसान नहीं रहा है। उन्होंने सभी टी20 में जडेजा की 38 गेंदों का सामना किया है और उन पर सिर्फ 39 रन बनाए हैं।

प्रो लीग में दो ओर तीन अप्रैल को भारत ओर इंग्लैंड में होगा मुकाबला

भुवनेश्वर (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड की पुरुष हॉकी टीम के बची दो और तीन अप्रैल को दो मैच खेले जाएंगे। यहां कलिंग हॉकी स्टेडियम में होने वाले इन मैचों के लिए इंग्लैंड टीम भारत पहुंच गयी है। इंग्लैंड टीम के कप्तान टॉम सॉर्सबी ने कहा कि भारत के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के दो मैचों में खेलने का लाभ उन्हें अगले साल यहां होने वाले विश्व कप में मिलेगा।

सॉर्सबी ने कहा, 'हमारी टीम नई है, इसलिए हमारी तैयारी भले ही कम हो पर इन मैचों से हमें आगामी विश्व कप के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इस टीम को हाल में प्रो लीग में खेलने का अच्छा अनुभव मिला है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें यहां जो भी अनुभव हासिल होगा वह काफी मायने रखेगा क्योंकि हमें विश्व कप के लिये फिर से यहां आना है।' भारत साल 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा।

सॉर्सबी ने कहा, 'भारतीय टीम पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा खेल रही है और यह परिणामों में दिख रहा है। इसलिए हम जानते हैं कि हमारा मुकाबला एक तगड़ी टीम से है। इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'

तीन दिन की तेजी खोकर, गुरुवार को लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई (ईएमएस)। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली हावी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 115.48 अंक लुढ़ककर 58,568.51 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 33.50 अंक गिरकर 17,464.75 अंक पर ठहरा। इसके साथ शेयर बाजार की तीन दिन की तेजी पर भी ब्रेक लग गया है।

बीएसई इंडेक्स पर गिरावट वाले शेयर में रिलायंस, विप्रो, डॉ रेड्डी, अल्ट्राटेक, इंफोसिस, मारुति, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक, एलएंडटी और एचसीएल हैं। जबकि बढ़त वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचयूएल, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, एयरटेल और आईटीसी हैं।

शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही, बीएसई सेंसेक्स 740.34 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 172.95 अंक यानी एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,498.25 अंक पर बंद हुआ। रूस-यूक्रेन शांति वार्ता के सफल होने की उम्मीद के बीच इंफोसिस, एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में लिवाली के साथ बाजार में मजबूती रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 740.34 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,683.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 784.13 अंक उछलकर 58,727.78 अंक तक गया था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) मंगलवार को शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने 35.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेबी ने संबद्ध पक्ष लेनदेन के नए मानदंड स्पष्ट किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी ने संबद्ध पक्ष लेनदेन के लिए नए मानदंडों को स्पष्ट करते हुए कहा कि कंपनियों को एक अप्रैल से पहले हुए सौदों के मामले में शेयरधारकों से नई मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है। सेबी ने एक अप्रैल से लागू होने वाले नए ढांचे के कार्यान्वयन को स्थगित करने की उद्योग निकायों की अपील के बीच संबद्ध पक्ष लेनदेन (आरपीटी) मानदंडों पर एक परिपत्र जारी किया है। परिपत्र जारी होने से संकेत मिलता है कि नए मानदंडों के कार्यान्वयन को स्थगित किए जाने की संभावना नहीं है। एक अप्रैल 2022 से पहले ऑडिट समिति और शेयरधारकों द्वारा मंजूरी प्राप्त एक आरपीटी के लिए शेयरधारकों से दोबारा मंजूरी लेने की कोई जरूरत नहीं होगी। सेबी ने कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और शेयरधारकों की मजबूती कॉरपोरेट प्रशासन का आधार है और सूचीबद्ध संस्थाओं को कानून की भावना का पालन सुनिश्चित करना चाहिए और शेयरधारकों को सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इस्पात, ईंधन की बढ़ी कीमतों से इस्पात की मांग होगी प्रभावितः स्टीलमिंट

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस्पात उद्योग की परामर्शदाता कंपनी स्टीलमिंट इंडिया के मुताबिक ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतें और इस्पात के बहुत ऊंचे दामों के कारण घरेलू स्तर पर इस्पात की मांग आने वाली तिमाहियों में प्रभावित होगी। स्टीलमिंट इंडिया ने कहा कि भारत में इस्पात के दाम सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं। हॉट रोल्ड कॉयल (एचआरसी) की कीमत 76,000-77,000 रुपए प्रति टन, कोल्ड रोल्ड कॉयल (सीआरसी) 85,000-86,000 रुपए प्रति टन और इस्पात की छड़ों (रेबार) के दाम 72,000-73,000 रुपए प्रति टन हैं। मार्च के पहले हफ्ते एचआरसी के दाम 68,000-69,000 रुपए प्रति टन, सीआरसी 73,000-74,000 रुपए प्रति टन और रेबार की 67,500-68,500 रुपए प्रति टन थे। स्टीलमिंट ने कहा ?कि इस्पात की बढ़ती कीमतों और ईंधन के ऊंचे दामों के कारण आने वाली तिमाहियों में खरीदारी संबंधी गतिविधियां प्रभावित होगी और मांग नकारात्मक रह सकती है। उसने कहा कि अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच घरेलू स्तर पर इस्पात की खपत 9.8 करोड़ टन रह सकती है।

पूंजीगत प्रवाह के खतरों को कम करने भारत ने सुरक्षा उपाय कर रखे हैंः आईएमएफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि कोविड-19 संकट के बावजूद भारत को बीते कुछ वर्षों में रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है और पूंजीगत प्रवाह के खतरों को कम करने के लिए भारत में कुछ सुरक्षा उपाय हैं। आईएमएफ की पहली उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने यहां कहा ?कि पूंजीगत प्रवाह के अनेक लाभ होते हैं। वे आवश्यक निवेशों के लिए वित्तपोषण उपलब्ध करवाते हैं और कुछ प्रकार के खतरों के खिलाफ सुरक्षा देने में मदद करते हैं। भारत में पूंजी प्रवाह होने से देशों को कई लाभ होते हैं और उन पूंजी प्रवाहों को प्राप्त करने से भी लाभ होता है। आईएमएफ ने पूंजी प्रवाह के उदारीकरण और प्रबंधन पर संस्थागत दृष्टिकोण (आईवी) की समीक्षा पर एक दस्तावेज जारी किया। आईवी को 2012 में अपनाया गया था और यह पूंजी प्रवाह से संबंधित नीतियों पर कोष परामर्श के लिए लगातार आधार प्रदान करता है।

गोपीनाथ ने कहा कि बड़ी मात्रा में पूंजी प्रवाह होने से अन्य प्रकार के वित्तीय खतरे जुड़े होते हैं। जहां तक भारत की बात है तो वहां बड़ी संख्या में पूंजी प्रतिबंध पहले से लागू हैं। बाहरी माहौल के बदलावों से निपटने के लिए भारत की सरकार इन प्रतिबंधों का इस्तेमाल काफी सक्रियता के साथ करती है। उन्होंने कहा ?कि पूंजी प्रवाह के लिहाज से भारतीय अर्थव्यवस्था में कई सुरक्षा व्यवस्थाएं हैं लेकिन यह अभी भी अपने पूंजी खातों को उदार बनाने की प्रक्रिया में है। जैसे-जैसे उसका वित्तीय बाजार गहरा होगा, वित्तीय संस्थान गहरे होंगे, यह पूंजी प्रवाह के अधिक रूपों की अनुमति देने की ओर बढ़ सकता है। पूंजी प्रवाह होने चाहिए क्योंकि ये प्राप्तकर्ता देशों के लिए विशेष तौर पर लाभदायक होते हैं हालांकि ये वृहद-आर्थिक चुनौतियों और वित्तीय स्थिरता के खतरे भी पैदा कर सकते हैं।

अगले वित्त वर्ष रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की छह बैठकें होंगी

मुंबई (ईएमएस)। अगले वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह बैठकें होंगी। पहली बैठक छह से आठ अप्रैल को होगी। गवर्नर की अध्यक्षता वाली यह समिति दरें तय करती हैं। वह मौजूदा घरेलू और आर्थिक स्थितियों पर विचार-विमर्श के बाद द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करती है। इस बारे में केंद्रीय बैंक ने जो कार्यक्रम जारी किया है उसके मुताबिक 2022-23 के लिए पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति को लेकर विचार-विमर्श छह से आठ अप्रैल के बीच होगा। दूसरी बैठक छह से आठ जून को होगी। कार्यक्रम के मुताबिक, तीसरी, चौथी और पांचवी बैठकें क्रमशः दो से चार अगस्त, 28-30 सितंबर और 5-7 दिसंबर के बीच होंगी। समिति की छठी बैठक छह से आठ फरवरी-2023 को होगी। गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति में केंद्रीय बैंक के दो प्रतिनिधियों के अलावा तीन बाहरी सदस्य होते हैं।

सरकार ने ऋण गारंटी योजना का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्रालय ने पांच लाख करोड़ रुपए की आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) का दायरा बढ़ा दिया। इसके तहत यात्रा, पर्यटन और होटल-रेस्तरां से जुड़े छोटे उद्यमों को योजना में शामिल किया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ईसीएलजीएस 3.0 के तहत यात्रा, पर्यटन और होटल-रेस्तरां से जुड़े एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों) को शामिल कर लाभ का दायरा बढ़ाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022-23 के बजट में योजना की अवधि एक साल के लिए मार्च, 2023 तक बढ़ाने की घोषणा की थी। साथ ही योजना के तहत मंजूर राशि 4.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच लाख करोड़ रुपए कर दी थी। ताजा संशोधन के अनुसार ईसीएलजीएस 3.0 के अंतर्गत शामिल क्षेत्रों के नये कर्जदार जिन्होंने 31 मार्च, 2021 से 31 जनवरी, 2022 के बीच कर्ज लिया था, अब आपात ऋण सुविधा का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे। साथ ही पात्र कर्जदारों के लिए कर्ज सीमा कोष आधारित बकाया कर्ज का 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। बयान के अनुसार बढ़ी हुई सीमा अधिकतम 200 करोड़ रुपए प्रति कर्जदार पर निर्भर करेगी। मंत्रालय ने कहा कि नये संशोधनों का मकसद इन संपर्क-गहन क्षेत्रों को बिना किसी गारंटी के नकदी के जरिये समर्थन देकर कारोबार को बढ़ावा देना है।

भारत में खुदरा कारोबार से हटने ?वाले विदेशी बैंकों की सूची में सिटी बैंक भी शा?मिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। सिटीबैंक भारत में खुदरा कारोबार से हटने वाले विदेशी बैंकों की कतार में शामिल हो गया है। अमेरिका के प्रमुख बैंक ने बुधवार को अपने उपभोक्ता बैंक कारोबार को 12,235 करोड़ रुपये में एक्सिस बैंक को बेचने की घोषणा की। इससे पहले एएनजेड ग्रिंडलेज, आरबीएस, कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया जैसे वित्तीय संस्थान भारत से अपना कामकाज को धीरे-धीरे कम कर चुके हैं। दोनों बैंक ने कहा कि उसके निदेशक मंडलों ने सिटीबैंक के भारत में उपभोक्ता कारोबार को एक्सिस बैंक द्वारा अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। इससे पहले 2012 में ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने छोटे एवं मझोले शहरों में स्थित अपनी एक- तिहाई शाखाओं को बंद करके भारत के संचालन को बड़े पैमाने पर कम कर दिया था। भारत में अपने परिचालन को कम करना बार्कलेज की कॉरपोरेट बैंक, निवेश बैंक और संपत्ति प्रबंधन खंडों पर अधिक ध्यान देने की रणनीति का हिस्सा था। कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया 2016 में भारत में अपने कारोबार को समेट लिया था। उसने कहा था कि यह निर्णय भारत के संचालन के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद किया गया है। उसी साल रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड पीएलसी (आरबीएस) ने भी कॉरपोरेट, खुदरा और संस्थागत बैंक कारोबार समेटने का फैसला किया था।

बैंक ने वैश्विक स्तर पर कामकाज कम करने के मकसद से यह निर्णय किया था। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड बैंक ने अपनी ग्रिंडलेज बैंक इकाई को स्टैंडर्ड चार्टर्ड को 1.34 अरब डॉलर में बेचने के बाद 2000 में घरेलू परिचालन को बंद कर दिया था। हालांकि, इसने 2011 में मुंबई में एक नई शाखा खोलकर भारतीय बाजार में फिर से प्रवेश किया। एएनजेड 1984 से ग्रिंडलेज बैंक के रूप में भारत में काम कर रहा था। डॉयचे बैंक 2011 में अपना क्रेडिट कार्ड व्यवसाय इंडसइंड बैंक को बेच दिया। वहीं यूबीएस 2013 में भारतीय परिचालन से हट गया। जबकि मोर्गन स्टेनले ने बैंक लाइसेंस वापस कर दिया जबकि निवेश बैंक कारोबार को जारी रखा। इसी प्रकार, मेरिल लिंच और स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने 2015 में अपने कारोबार को सीमित किया था।इसके अलावा, एएचएसबीसी ने 2016 में दो दर्जन से अधिक शाखाएं बंद कीं और 14 शहरों में अपनी उपस्थिति कम की। बीएनपी परिबा ने 2020 में अपना संपत्ति प्रबंधन कारोबार समेटा।

सोने के आभूषणों के खुदरा विक्रेताओं की आय 2022-23 में बढ़ सकती

मुंबई (ईएमएस)। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि स्थिर मांग और लगातार ऊंची कीमतों के कारण सोने के आभूषणों के खुदरा विक्रेताओं की आय वित्त वर्ष 2022-23 में 12-15 प्रतिशत बढ़ सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि 2021-22 के दौरान सोने के आभूषणों के खुदरा विक्रेताओं की आय में इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 20-22 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार सोने की ऊंची कीमतों और बेहतर परिचालन लाभ के कारण वित्त वर्ष 2022-23 में वार्षिक आधार पर परिचालन मार्जिन में 0.5 से 0.7 प्रतिशत का सुधार हो सकता है और यह 7.3-7.5 प्रतिशत तक रह सकता है। बयान में कहा गया, ''उच्च पूंजीगत व्यय के बावजूद अगले वित्त वर्ष में संगठित आभूषण उद्योग के लिए ऋण परिदृश्य 'स्थिर' रहेगा।''

अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले इमरान खान ने खोया बहुमत

-पहले ही ऐलान हो चुका है कि शहबाज शरीफ पाक के नए पीएम बनाये जाएंगे

-पाक में अब तक कोई प्रधानमंत्री पांच साल का कार्यकाल नहीं पूरा कर सका है

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सत्तारूढ़ गठबंधन के एक मुख्य सहयोगी दल के विपक्षी खेमे से जा मिलने के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले ही संसद में बहुमत खो दिया। एमक्यूएम-पी के पास सात सांसद हैं। जमीयत उलेमा-ई-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलान फजलुर रहमान ने कहा कि संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में अब विपक्ष के पास 175 सांसद हैं। यह पहले ही ऐलान किया जा चुका है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष और विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ को इमरान खान के हटने के बाद नया प्रधानमंत्री बनाया जायेगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नीत गठबंधन सरकार के अहम सहयोगी दल मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने इस्लामाबाद में प्रेस कांफ्रेंस कर ऐलान किया कि वह विपक्षी खेमे में शामिल हो गया है। एमक्यूएम-पी प्रमुख खालिद मकबूल सिद्दिकी ने कहा, हम सहिष्णुता और सच्चे लोकतंत्र की राजनीति के लिए नई शुरुआत करना चाहते हैं। एमक्यूएम-पी के साथ छोड़ने से इमरान सरकार ने सदन में स्पष्ट रूप से बहुमत खो दिया है। सरकार के एक अन्य सहयोगी और पांच सांसद रखने वाले दल बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) ने सोमवार को ही ऐलान कर दिया था कि उसने इमरान सरकार के खिलाफ मतदान करने के विपक्ष की पेशकश को स्वीकार कर लिया है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख राशिद ने प्रधानमंत्री खान की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की विशेष बैठक के बाद राशिद ने मीडिया को संबोधित किया। क्या अपने संबोधन के दौरान इमरान खान इस्तीफा दे देंगे? इस सवाल के जवाब में राशिद ने कहा, ''किसी भी हालत में नहीं, वह अंतिम गेंद तक खेलेंगे।'' पाकिस्तान में गत आठ मार्च को नेशनल असेंबली में विपक्षी दलों की ओर से संयुक्त रूप से अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद देश में राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न हो गई है। इमरान खान को सरकार बचाने के लिए 342 सदस्यीय संसद (नेशनल असेंबली) में 172 मत की जरूरत पड़ेगी।

एक खबर के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने विपक्ष का सहयोग करने का फैसला किया है और इसके दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि एमक्यूएम-पी के सांसद फारोग नसीम और अमीनउल हक ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। एमक्यूएम-पी के नेता फैजल सब्जवाडी ने कहा कि संयुक्त विपक्ष के साथ उसका समझौता हो चुका है। इमरान खान (69) की पार्टी पीटीआई के सदन में 155 सांसद हैं। इमरान को करीब दो दर्जन सांसदों की बगावत और सहयोगी दलों की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान के इतिहास में अब तक किसी भी प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव के जरिये नहीं हटाया गया है, लेकिन इस चुनौती का सामना करने वाले इमरान खान तीसरे प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले इमरान खान ने अपनी पार्टी के सदस्यों को सख्त निर्देश दिया कि वह अवश्विवास प्रस्ताव पर मतदान के दिन या तो सदन में अनुपस्थित रहें या फिर मतदान में भाग नहीं लें। अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान अप्रैल के पहले हफ्ते में होने की संभावना है। वर्ष 2018 में 'नया पाकिस्तान' बनाने का वादा करके इमरान सत्ता में आये, लेकिन बेलगाम महंगाई पर नियंत्रण पाने में सरकार की विफलता ने विपक्ष को सरकार के खिलाफ एक मौका दे दिया। पाकिस्तान में अब तक कोई प्रधानमंत्री पांच साल का कार्यकाल नहीं पूरा कर सका है।

वहीं दूसरी तरफ इमरान खान के अपनों ने भी उन पर तीखा हमला शुरू कर दिया है। वरिष्ठ पत्रकार और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का मौजूदा संकट से राजनीतिक अस्तित्व 'असंभव' है। यह कहते हुए कि 'हर किसी के पास पर्याप्त है', उन्होंने दावा किया कि इमरान खान पाकिस्तान के पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो की तरह बनने की कोशिश कर रहे थे, यह दावा करके कि विदेशी ताकतें उनकी सरकार को गिराने के लिए 'साजिश' रच रही थीं। ठमुझे लगता है कि वह खुद को जुल्फिकार अली भुट्टो के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर अपनी बात दोहराई। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में इमरान खान की गठबंधन सरकार को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्ताव पर वोट 3 अप्रैल को होना है। लेकिन जैसे-जैसे दिन नजदीक आ रहा है, क्रिकेटर से नेता बने इस खिलाड़ी की विकेट फिसलन भरी होती जा रही है।

बीआरआई प्रोजेक्ट पर नेपाल ने भी चीन को दिखाया ठेंगा

-बड़े बेआबरू होकर नेपाल से लौटे चीनी विदेश मंत्री वांग

काठमांडु(ईएमएस)। इन दिनों चीनी विदेश मंत्री को लेकर 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले लाइन खूब इस्तेमाल की जा रही है। चीनी विदेश मंत्री वांग बड़ी उम्मीदें लेकर भारत और नेपाल के दौरे पर आए लेकिन दोनों ही देशों से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा है। भारत ने जहां चीनी विदेश मंत्री को ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर कोई आश्वासन नहीं दिया, वहीं नेपाल ने भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ड्रीम प्रॉजेक्ट कहे जाने वाले बेल्ट एंड रोड को लेकर ठेंगा दिखा दिया है। यही नहीं चीनी विदेश मंत्री ने एमसीसी प्रॉजेक्ट को नेपाली संसद में पेश किए जाने पर भी अपनी खीझ दिखाई और अमेरिका के बढ़ते प्रभाव पर नाराजगी जताई। चीन के भारी विरोध के बाद भी नेपाल की देउबा सरकार की ओर से अमेरिका के प्रॉजेक्ट को नेपाली संसद में पेश किया गया था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक चीनी विदेश मंत्री ने नेपाल के वामपंथी दलों के साथ मुलाकात के दौरान बीआरआई को लागू करने पर बहुत जोर दिया। उन्होंने अमेरिका के एमसीसी प्रॉजेक्ट के मुद्दे को भी वामदलों के साथ कड़ाई के साथ उठाया और अमेरिका के बढ़ते दखल पर नाराजगी जताई। चीन ने एक तरफ जहां बीआरआई पर जोर दिया वहीं नेपाली वामदलों ने सीमा व्यापार को फिर से शुरू करने और नेपाली छात्रों के मुद्दे पर जोर दिया जिसे ड्रैगन ने लंबे समय से रोक रखा है।

नेपाल को चीन के मेगा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (ँ¤) में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में जाना जाता था, फिर भी हिमालयी राज्य में इसके लाभों और फंडिंग से जुड़ी चुनौतियों के बारे में स्पष्टता की कमी के कारण परियोजनाओं का कार्यान्वयन धीमा रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी की हाल की नेपाल यात्रा (25-27 मार्च) के दौरान, दोनों देशों ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन उनमें से कोई भी बीआरआई से संबंधित नहीं था। पता चला है कि कुछ भ्रम और नेपाल के बातचीत पर जोर देने के कारण वांग की यात्रा के दौरान कथित तौर परँ¤ योजनाओं पर चर्चा नहीं की गई।

नेपाल के नीति निर्माताओं में बीआरआई को लेकर आशंका है, जिसमें इसके जरिए चीन के रणनीतिक डिजाइन और कर्ज के जाल में फंसने की उसकी क्षमता शामिल है।बीआरआई के क्रियान्वयन के मुद्दे पर नेपाल के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में चुप्पी साधी गई है। चीन और नेपाल के बीच साल 2017 में बीआरआई समझौता हुआ था लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और वांग यी के बीच मुलाकात के बाद कोई विस्तृत बयान नहीं जारी किया है।

श्रीलंका में हालात बहुत खराब, चीन,दुध, चावल की कमी, दवाईयों की कमी से सर्जरी रोकी गई

बिजली की कटौती 10 घंटे रोजाना

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में अभी तक का सबसे बड़ा पावर कट शुरू हो गया है। आजादी के बाद अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में प्रतिदिन 10 घंटे की बिजली कटौती की शुरुआत हो गई है। देश में पेट्रोलियम ईंधन की भारी कमी है, इसकारण बिजली का उत्पादन काफी कम हो गया है। देश में खाने-पीने का सभी जरूरी सामानों की भारी कमी है, इससे गुस्साए लोग गोटाबाया राजपक्षे सरकार पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। यही हाल दवा की दुकानों और अस्पतालों का भी है। दवाओं की कमी के चलते सर्जरी रोकी जा रही है, जिससे कई मरीजों की जान जाने का खतरा भी बढ़ गया है। श्रीलंका के बिजली बोर्ड ने कहा कि महीने की शुरुआत से सात घंटे की जो बिजली काटी जा रही थी, अब उस 10 घंटे किया जा रहा है क्योंकि बिजली उत्पादन के लिए ईंधन नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका की 40 प्रतिशत से अधिक बिजली हाइड्रोपावर से पैदा होती है। ईंधन की कमी है, साथ ही बारिश न होने से अधिकांश नदियों और जलाशयों में पानी नहीं है जिस कारण बिजली पैदा करना और कठिन हो रहा है। श्रीलंका में अधिकांश बिजली उत्पादन कोयले और तेल से होता है। इन दोनों ही चीजों के लिए श्रीलंका आयात पर निर्भर है।लेकिन देश का विदेशी मुद्रा भंडार खाली है, इस कारण सभी जरूरी चीजों के साथ-साथ इनका आयात भी नहीं हो पा रहा है। इस बीच सरकार के स्वामित्व वाली खुदरा ईंधन विक्रेता कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने कहा कि देश में कम से कम दो दिनों तक डीजल नहीं रहेगा।

सीपीसी ने पेट्रोल स्टेशनों पर लंबी कतारों में तेल का इंतजार कर रहे वाहन चालकों से कहा है कि वहां अपने घरों को लौट जाएं और ईंधन की आपूर्ति होने के बाद यहां आएं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी साल की शुरूआत से ही भारी वृद्धि हुई है। अब तक पेट्रोल की कीमतों में 92 फीसद और डीजल की कीमत में 76 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। अधिकारियों ने बताया है कि खाना बनाने के गैस और मिट्टी के तेल को खरीदने के लिए सरकार को पैसे जुटाने में 12 दिन लग गए। सरकार ने बताया 44 करोड़ डॉलर की राशि किसी तरह जुटाई जिसके बाद इन चीजों को आयात किया जा सका।

श्रीलंका पर भारी विदेशी कर्ज है, इसकारण मार्च 2020 में सरकार ने आवश्यक वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। श्रीलंका को तब 51 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज चुकाना था। इसके बाद श्रीलंका में सभी आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई और कीमतों में तेजी से उछाल आया।

श्रीलंका में चावल, चीनी, दूध जैसे सभी आवश्यक सामानों की कमी हो गई है। जो सामान दुकानों पर उपलब्ध हैं, उनकी कीमत देखकर लोग उन्हें खरीद नहीं पा रहे हैं। इसके बाद श्रीलंका में पलायन भी शुरू हो गया है। लोग अपने देश को छोड़कर पड़ोसी भारत का रुख कर रहे हैं। श्रीलंका में आवश्यक दवाइयों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते कई अस्पतालों में सर्जरी रोक दी गई है।

अमेरिका ने चेताया- रूस से तेल खरीद बढ़ाने का भारत को भरना पड़ सकता है भारी खमियाजा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने रूस पर 5,000 से ज्यादा छोटे-बड़े प्रतिबंध लगाएं हैं। इसमें तेल की खरीद भी शामिल हैं। अमेरिका के प्रतिबंधों के बाद भी रूस ने भारत को सस्ते कच्चे तेल का ऑफर दिया है, जिसे भारत लगभग स्वीकार करने की स्थिति में है। भारत का ये कदम कूटनीतिक रूप से अमेरिका के लिए एक झटका है। ऐसे में अमेरिका ने भारत के चेताया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि भारत को रूस से तेल का आयात बढ़ाने के कारण 'बड़े खतरे' का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिका रूस पर लगे प्रतिबंधों को लागू करवाने में ज्यादा सख्ती बरतने के लिए कदम उठा रहा है। अमेरिकी अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया, अमेरिका को इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि भारत रूस से तेल खरीदे। बशर्ते वह इसे डिस्काउंट पर खरीद रहा है। आयात पिछले सालों के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ा नहीं रहा है। आयात का थोड़ा बहुत बढ़ना ठीक है।

अधिकारी ने आगे कहा, 'अमेरिका ने रूस पर फिलहाल जो प्रतिबंध लगाए हैं, वे किसी देश को रूस से तेल खरीदने से नहीं रोकते। लेकिन ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका अन्य देशों को पाबंदियों के दायरे में ला सकता है, ताकि रूस को मिलने वाली मदद बंद की जा सके। अमेरिकी अधिकारी का ये बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस के विदेश मंत्री सर्गई लावरोव भारत दौरे पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आर्थिक सुरक्षा मामलों के उप सलाहकार दलीप सिंह भी भारत दौरे पर आने की बात कह चुके हैं। बुधवार को जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भारत का दौरा किया था और गुरुवार को ब्रिटिश विदेश मंत्री भारत पहुंच रही हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। यूक्रेन पर हमले के बाद भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ा दिया है। 24 फरवरी के बाद से ही भारत ने 1.3 करोड़ बैरल तेल खरीदा है, जबकि पिछले पूरे साल में उसका रूस से तेल आयात 1.6 करोड़ बैरल था।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि सरकार भारत और रूस के बीच तेल खरीद को लेकर चल रही बातचीत के बारे में जानती है। प्रवक्ता ने कहा, 'हम भारत और बाकी दुनिया में हमारे साझीदारों के साथ लगातार संपर्क में हैं, ताकि रूस पर यूक्रेन में विनाशकारी युद्ध जल्द से जल्द खत्म करने के लिए दबाव डालने के लिए एक साझी और मजबूत कार्रवाई की जा सके, जिसमें सख्त प्रतिबंध लगाना भी शामिल है।'

अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, उन्हें इस बात से कोई दिक्कत नहीं है कि भारत रूस के साथ व्यापार डॉलर में ना करके रूबल में करे, बशर्ते लेनदेन में प्रतिबंधों के नियमों का पालन किया जाए। भारत और रूस रूबल-रुपये में लेनदेन की प्रक्रिया तैयार करने पर काम कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'वे जो भी भुगतान करें, जो भी करें वह प्रतिबंधों के दायरे में होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो वे बड़ा खतरा उठा रहे हैं। जब तक कि वे प्रतिबंधों का पालन करते हैं और खरीद की मात्रा बहुत ज्यादा नहीं बढ़ाते हैं, तब तक हमें कोई दिक्कत नहीं है।'

विश्व में घट रहे कोरोना के केस, पर मौतों में 40 फीसदी का इजाफा : डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट

जिनेवा (ईएमएस)। महामारी कोरोना का संक्रमण लगातार वैश्विक स्तर पर लगातार घट रहा है। पिछले सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में गिरावट देखी गई जबकि संक्रमण से मौत के मामलों में 40 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की जारी ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। महामारी को लेकर अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र, जहां दिसंबर अंत से मामलों में वृद्धि देखी जा रही थी, समेत हर जगह पर संक्रमण के नए मामलों में कमी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह दुनियाभर में कोविड-19 के करीब एक करोड़ नए मामले सामने आए और 45,000 मरीजों ने दम तोड़ दिया। हालांकि, इससे पिछले सप्ताह मौत के मामलों में 23 फीसदी की कमी दर्ज की गई थी। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, पिछले सप्ताह कोविड-19 मरीजों की मौत के मामलों में वृद्धि का कारण चिली और अमेरिका में इस तरह के मामलों को दर्ज करने की प्रक्रिया में बदलाव होना रहा।

इसके अलावा, भारत के महाराष्ट्र में 4,000 से अधिक मौत के मामलों को जोड़े जाने से भी मृतक संख्या में वृद्धि दर्ज की गई क्योंकि पहले इस संख्या को कोविड-19 मौत की श्रेणी में नहीं रखा गया था। दूसरी ओर यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 50 से अधिक उम्र के लोगों और कुछ इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड व्यक्तियों के लिए फाइजर-बायोएनटेक या मॉडर्ना के पांचवें कोविड-19 बूस्टर शॉट को मंजूरी दी है। पांचवां बूस्टर किसी भी अधिकृत या स्वीकृत कोविड वैक्सीन की चौथी बूस्टर खुराक मिलने के कम से कम 4 महीने बाद 50 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों को दिया जा सकता है। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के व्यक्ति जैसे कि ठोस अंग प्रत्यारोपण से गुजरने वाले व्यक्ति भी पांचवीं बूस्टर खुराक प्राप्त करने के कम से कम 4 महीने बाद शॉट्स के लिए पात्र हैं।

चीन के 31 प्रांतों में पहुंचा कोरोना, ड्रैगन की जीरो कोविड पॉलिसी फेल

शंघाई सहित 5 शहरों में लॉकडाउन

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना दो साल में पहली बार सभी 31 प्रांतों में फैल गया है। इसके बाद चीन ने कोरोना पर काबू के लिए जिस जीरो कोविड पॉलिसी को अमल में लाया था, वहां फेल साबित हो रही है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के संक्रमितों का आंकड़ा 62 हजार केस के पार पहुंच गया है। इसके बाद आर्थिक राजधानी शंघाई सहित 5 शहरों में लॉकडाउन लगा है। चीन के लगभग 12 हजार सरकारी अस्पतालों में नए मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं है। चीन ने कोरोना की पहली लहर के दौरान सख्त लॉकडाउन का नियम बनाया था। इसके तहत एक भी केस आने पर पूरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया जाता था। इसके बाद उसके चिकित्सा ढांचे पर काफी असर पड़ा।

चीन के बड़े व्यावसायिक हब शंघाई में अगले शुक्रवार तक पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है। बैंकिंग और अन्य गतिविधियां बाधित नहीं हों, इसके लिए शंघाई के लगभग 20 हजार बैंकर्स दफ्तरों में रह रहे हैं। यहीं सो रहे हैं। सरकार की ओर से उनके खाने का इंतजाम किया गया है। चीन दुनिया के सर्वाधिक टीकाकरण वाले देशों में शामिल है। चीन में 88 प्रतिशत से अधिक आबादी को कोरोना वैक्सीन की डबल डोज लग चुकी है, लेकिन इसके बावजूद चीन के बुजुर्गों यानी 60 साल से अधिक आयु के लोगों में से मात्र 52 प्रतिशत को ही डबल डोज लगी है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) एक्सपर्ट डॉ. आर आर गंगाखेड़कर ने बताया कि वायरस जितना ज्यादा म्यूटेशन करता है, खतरा उतना ही बढ़ता है। उन्होंने बताया कि चीन में कोविड का आउटब्रेक भारत को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसकारण वहां की कोरोना स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। साथ ही चीन व अन्य देशों में फैल रहे कोरोना से भारत को होने वाले खतरे पर कई एक्सपर्ट्स अपनी राय दे चुके हैं और अधिकतर का यही मानना है कि भारत को भी सतर्क रहना चाहिए।

व्हाइट हाउस बोला- अपनी सेना की ओर से गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका को खबर मिली है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध एक रणनीतिक भूल है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केट बेडिंगफील्ड ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं यह कह सकती हूं कि, निश्चित रूप से, हमारे पास जानकारी है कि पुतिन रूसी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप पुतिन और उनके सैन्य नेतृत्व के बीच लगातार तनाव बना हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि पुतिन को उनके सलाहकारों द्वारा इस संबंध में गलत सूचना दी जा रही है कि रूसी सेना कितना खराब प्रदर्शन कर रही है और रूसी अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधों से कैसे पंगु बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके वरिष्ठ सलाहकार उन्हें सच बताने से बहुत डरते हैं।' बेडिंगफील्ड ने कहा, 'इसलिए, यह तेजी से स्पष्ट

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका को खबर मिली है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध एक रणनीतिक भूल है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केट बेडिंगफील्ड ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं यह कह सकती हूं कि, निश्चित रूप से, हमारे पास जानकारी है कि पुतिन रूसी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप पुतिन और उनके सैन्य नेतृत्व के बीच लगातार तनाव बना हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि पुतिन को उनके सलाहकारों द्वारा इस संबंध में गलत सूचना दी जा रही है कि रूसी सेना कितना खराब प्रदर्शन कर रही है और रूसी अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधों से कैसे पंगु बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके वरिष्ठ सलाहकार उन्हें सच बताने से बहुत डरते हैं।' बेडिंगफील्ड ने कहा, 'इसलिए, यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि पुतिन का युद्ध एक रणनीतिक भूल है, जिसने रूस को लंबे समय के लिए कमजोर बना दिया है और विश्व मंच पर वह अलग-थलग पड़ गया है।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी दोहराया कि राष्ट्रपति जो बाइडन रूस में शासन परिवर्तन की नीति की वकालत नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ दिन पहले उन्होंने जो कहा था वह स्वाभाविक आक्रोश से भरा बयान था, हमारे पास शासन परिवर्तन की औपचारिक नीति नहीं है। हम केवल रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाने पर जोर दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रूस अपनी गलती का परिणाम भुगते। पुतिन ने खुद भी कहा है कि प्रतिबंधों का प्रभाव काफी अधिक होगा। इसलिए, हम यूक्रेन को सुरक्षा सहायता प्रदान करने और रूस पर महत्वपूर्ण प्रतिबंध लगाने की अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

गौरतलब है कि बाइडेन ने पिछले सप्ताह एक भाषण में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में कहा था कि 'यह शख्स सत्ता में नहीं रह सकता।' इसके बाद, व्हाइट हाउस और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि बाइडेन असल में पुतिन को बेदखल करने के बारे में बात नहीं कर रहे थे।

चार लोगों की सामूहिक हत्या का आरोपी 48 घंटों के भीतर गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के पूर्वी क्षेत्र ओढव की एक सोसायटी में चार लोगों के हत्या के मामले में फरार आरोपी को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 48 घंटों के भीतर गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की हैं पत्नी, दो बच्चो और दादी सास की हत्या कर भागे पति को क्राइम ब्रांच की टीम ने मध्यप्रदेश के दाहोद बोर्डर से गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी की पत्नी का दो साल से अवैध संबंध था जिसके चलते उसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। इतना ही नहीं वह पत्नी के प्रेमी को भी मारना चाहता था लेकिन बाद में उसने यह विचार बदल दिया। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच एसीपी डीपी चुडासमा ने पत्रकार परिषद में यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी विनोद गायकवाड की पत्नी का दो साल से किसी शख्स के साथ नाजायज संबंध थे। विनोद गायकवाड के बेटे गणेश ने अपनी माता को प्रेमी के साथ देख लिया था और इसके बारे में पिता को भी जानकारी दी थी। अवैध संबंध का पता चलने के बाद आरोपी पति विनोद ने पत्नी की हत्या का प्लान बनाया। गत 26 मार्च को पत्नी की हत्या करने के लिए उसने पहले अपने 17 वर्षीय पुत्र गणेश श्रीखंड लेने के लिए घर से बाहर भेज दिया। जबकि 15 वर्षीय बेटी प्रगति को गुटका लेने के लिए बाहर भेज दिया। इसके बाद पत्नी को सरप्राइज देने की बात कर उसकी आंखों में पट्टी बांध छूरी घोंपकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद बच्चों का क्या होगा? यह सोचकर लड़के और लड़की के घर आने पर उनकी भी हत्या कर दी। वहीं, दादी सास सुभद्रा से भी आरोपी की अनबन होने से उसे भी मार डाला। पुलिस ने बताया कि आरोपी के अनुसार दादी सास ही उसकी पत्नी को प्रोत्साहित करती रहती थी। जिससे आरोपी पति को उसके प्रति पहले से आक्रोश था। इन लोगों की हत्या के बाद आरोपी अपनी सास की भी हत्या करना चाहता था इसके लिए उसे को घर पर बुलाया सास के आने से पहले शवों को अंदर के कमरे में रख दिया और कमरे से खून के दाग धब्बे साफ कर दिए। सास आई तो उस पर भी चाकू से हमला कर दिया हालांकि बाद में दया खाकर उसे छोड़ दिया। एसीपी चुडासमा ने बताया कि परिवार के लोगों को हत्या के बाद आरोपी विनोद एक्सप्रेस हाइवे पर गया था। परिवार को मारने के बाद पत्नी के प्रेमी को मारने के लिए योजना बनाई थी। लेकिन चार हत्या पहले से ही की होने के कारण डर के मारे प्रेमी को मारने की योजना टाल दी और बस में बैठकर निकल गया।

नरेश पटेल के राजनीति में प्रवेश को लेकर खोडलधाम ट्रस्ट के प्रवक्ता ने की स्पष्टता

राजकोट (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले पाटीदार नेता और खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल के राजनीति में प्रवेश को तैयार हैं हालांकि वह किस राजनीतिक दल में जाएंगे, इस पर सस्पेंश बना हुआ हैं बीते दिन चर्चा थी कि नरेश पटेल ने जयपुर में प्रशांत किशोर से मुलाकात की थी और वह जल्द ही कांग्रेस में शामिलहो सकते हैं आज खोडलधाम के प्रवक्ता हसमुख लूणागरिया ने स्पष्टता की है कि नरेश पटेल न तो किसी राजनीतिक दल में शामिल हुए हैं और न ही इस बारे में उन्होंने कोई फैसला किया हैं फिलहाल नरेश पटेल के राजनीति में शामिल होने के संदर्भ में सर्वे किया जा रहा हैं सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद अप्रैल महीने के दूसरे या तीसरे सप्ताह में नरेश पटेल अपना फैसला जाहिर करेंगें उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल चाहते हैं कि नरेश पटेल उनके साथ आ जाएं, परंतु किस पार्टी में शामिल हों इसका फिलहाल कोई फैसला नहीं किया नरेश पटेल के यात्रा के बारे में जानकारी उनके करीबी व्यक्ति के पास ही होती हैं इस संदर्भ में नरेश पटेल के पुत्र शिवराज पटेल ने स्पष्टता की हैं शिवराज पटेल ने उनके पिता नरेश पटेल के कांग्रेस में शामिल होने की खबरों का खंडन किया हैं उन्होंने कहा कि नरेश पटेल ने अब तक न तो कांग्रेस जॉइन की है और न इस दिशा में कोई फैसला किया हैं गौरतलब है कि पाटीदार नेता नरेश पटेल ने राजनीति में प्रवेश के संकेत जरूर दिए हैं, लेकिन अब तक यह फैसला नहीं किया है कि वह भाजपा, कांग्रेस या आम आदमी पार्टी में शामिल होंगें हाल ही में नरेश पटेल ने कहा था कि उनके राजनीति में शामिल होने के बारे में सर्वे कराया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट सामने आने के बाद ही वह इस बारे में फैसला करेंगें

गुजरात एक्सप्रेस तथा गुजरात क्वीन एक्सप्रेस ट्रेन में जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात एक्सप्रेस तथा अहमदाबाद-वलसाड गुजरात क्वीन एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त एसी चेयर कार कोच स्थायी तौर पर जोडे जाएंगे। जिसका विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 22953/22954 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात एक्सप्रेस ट्रेन में 3 अप्रैल 2022 से मुम्बई सेंट्रल से तथा 1 अप्रैल 2022 से अहमदाबाद से एक अतिरिक्त एसी चेयर कार कोच स्थाई रूप से जोड़ा जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 19033/19034 अहमदाबाद-वलसाड-अहमदाबाद गुजरात क्वीन एक्सप्रेस ट्रेन में 01 अप्रैल 2022 से अहमदाबाद से तथा 02 अप्रैल 2022 से वलसाड से एक अतिरिक्त एसी चेयर कार कोच स्थाई तौर पर जोड़ा जाएगा।

५० यूनिटों ने प्रॉडक्शन बंद किया

पीएनजी की कीमत बढ़ने पर मोरबी की सिरामिक उद्योग ठप हो गई

गैस की कीमत में वृद्धि होने पर प्रॉडक्शन खर्च बढ़ गया है लेकिन सामने ग्राहक महंगी प्रॉडक्ट खरीदने के लिए तैयार नहीं

अहमदाबाद, ३१ मार्च। पाइप्ड नेचरल गैस (पीएनजी) की कीमत में वृद्धि होने पर और गुजरात गैस लिमिटेड द्वारा फिलहाल में फोर्स मेजर का उपयोग करके सप्लाई मात्रा को कम करने पर मोरबी में कई टाइल्स और सेनिटरीवेर बनाती इकाईयां, जिन्होंने उत्पादन में कमी की थी, आखिर में अपने इकाईयों को बंद करना अनिवार्य हो गया है। क्योंकि अब बिजनेस करना मुनाफाकारक नहीं होने से ऐसा करना अनिवार्य हो गया है। मोरबी सिरामिक एसोसिएशन के बताये अनुसार गैस की कीमत में वृद्धि के बीच करीब ५० सिरामिक मेन्युफेक्चरिंग यूनिटों ने उत्पादन बंद कर दिया है। त्रंबक पटेल के जिनके सिरामिक उत्पादन यूनिट की दैनिक क्षमता १०,००० स्केवयर मीटर की है, गैस के बढ़ रहे खर्च को ग्राहकों पर डालने के लिए असमर्थ होने की वजह से बंद कर दिया। बिजनेस करना अब आसान नहीं है क्योंकि गैस की कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसकी वजह से उत्पादन खर्च नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। दूसरी तरफ ज्यादा कीमत पर उत्पादित प्रॉडक्ट के लिए ज्यादा रुपया चुकाने के लिए ग्राहक तैयार नहीं है, जिसकी वजह से हम नुकसान का सामना कर रहे है। आखिर में मैंने अपना यूनिट बंद कर दिया है और मशीन भी बेच दी है। फिलहाल में गुजरात गैस जो मोरबी में सिरामिक इकाईयों को पीएनजी सप्लाई करता है, उसने फोर्स मेजर का उपयोग किया था जिसकी वजह से उसने दैनिक कॉन्ट्रैक्ट मात्रा के सप्लाई को ८० तक सीमित कर दिया है। ८० फीसदी थ्रेशोल्ड की अपेक्षा गैस की जरूरत होती है ऐसी इकाईयों को एससीएम प्रति १२० रुपये चुकाने पड़ेगे जो हाल मिल रहे गैस की कीमत की अपेक्षा दोगुना रुपया है। जिसकी वजह से कई टाइल्स उत्पादकों को नुकसान हुआ है।

मोरबी में अन्य एक टाइल्स उत्पादक सेरेनो सिरामिक्स ने भी गैस की कीमत में वृद्धि और इसकी सप्लाई में प्रतिबंध की वजह से उत्पादन बंद कर दिया है। यदि दोगुना चार्ज लगाया जाएगा तो हम उत्पादन खर्च नहीं उठा सकते है।

अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन का बामरा स्टेशन पर ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन संख्या 12833/12834 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन का 6 महीनों के लिए प्रायोगिक तौर पर बामरा स्टेशन पर 01 अप्रैल 2022 से ठहराव प्रदान किया जा रहा है। जो इस प्रकार है:

- ☐ ट्रेन संख्या 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन का बामरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 05.53/05.55 बजे रहेगा।
- ☐ ट्रेन संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन का बामरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 06.43/06.45 बजे रहेगा।

नेहरू पर नितिन पटेल के बयान पर विधानसभा में हंगामा, कांग्रेस ने कहा-माफी मांगो

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा में आज उस वक्त कांग्रेस ने जबर्दस्त हंगामा शुरू कर दिया है, जब पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि सरदार सरोवर डैम सरदार पटेल की कल्पना थी जबकि जवाहरलाल नेहरू इसका विरोध कर रहे थे सरदार सरोवर बांध के काम में नेहरू अवरोध पैदा करने का काम किया हैं नितिन पटेल ने नेहरू को गुजरात विरोधी करार देते हुए कहा कि इसलिए सरदार सरोवर डैम को लेकर नेहरू को बेवजह श्रेय देने का कोई प्रयास नहीं करें नितिन पटेल के बयान पर जवाब देते हुए कांग्रेस विधायक सीजे चावडा ने कहा कि सरदार पटेल भी 25 वर्ष तक कांग्रेस के प्रमुख थे और सरदार व नेहरू दोनों को सरदार सरोवर डैम के लिए श्रेय देंगें जिसके बाद कांग्रेस विधायक माफी मांगने की मांग करते सदन के बीचों बीच आकर हंगामा करने लगें सदन में ही भाजपा और कांग्रेस विधायकों के बीच घर्षण की संभावना को देखते हुए सार्जन्टों को बुलाया गया और 15 मिनट के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगितकर दी गईं कांग्रेस ने विधायकों ने कहा कि नेहरू पर दिए गए बयान पर नितिन पटेल माफी मांगें

भाजपा में था, भाजपा में रहूंगा, अफवाह फैलाने वालों को सदबुद्धि दे भगवान : बावलिया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंवरजी बावलिया ने कांग्रेस में वापस जाने की खबरों का खंडन करते हुए कहा है कि वह भाजपा में हैं और भाजपा में ही रहेंगें उनके कांग्रेस में शामिल होने के बारे में अफवाह फैलाने वालों को भगवान सदबुद्धि प्रदान करें बता दें कि कुछ दिनों से खबर चल रही थीं कि कोली नेता कुंवरजी बावलिया और पुरुषोत्तम सोलंकी भाजपा को छोड़ कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं कुंवरजी बावलिया कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे और उसके बाद उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया थां कुंवरजी बावलिया और पुरुषोत्तम सोलंकी दोनों ही पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की सरकार में मंत्री थे लेकिन पिछले साल मंत्रिमंडल का पुनर्गठन किया गया था, जिसमें सभी मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों का समावेश किया गया थां मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद कुंवरजी बावलिया और पुरुषोत्तम सोलंकी नाराज होने की चर्चा पिछले काफी दिनों से चल रही है और यह भी कहा जा रहा है कि दोनों ही नेता भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं इस संदर्भ में कुंवरजी बावलिया ने ट्वीट कर स्पष्टता की हैं जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि 'भाजपा के सक्षम एवं शीर्षस्थ नेतृत्व से प्रभावित होकर मैंने भाजपा जॉइन की थी और हमेशा के लिए रहूंगा' पार्टी ने मुझे आदरपूर्वक काफी महत्वपूर्ण कैबिनेट मंत्री के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी थी जिसके लिए मैं पार्टी का आभारी हूँ अपने कार्यकाल के दौरान सभी को साथ रख निष्ठापूर्वक और प्रमाणिकता से जनहित के काम पूरे किए हैं, जिसका मुझे गर्व हैं पिछले काफी समय से मेरे कांग्रेस में शामिल होने के बारे में आधारहीन खबरें फैलाई जा रही हैं, जिसमें कोई तथ्य नहीं हैं ईश्वर ऐसी अफवाह फैलाने वाले तत्त्वों को सदबुद्धि दे, ऐसी मेरी प्रार्थना हैं

'आप' ने कांग्रेस को बताया डूबता जहाज, कहा-नरेश पटेल जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति नहीं होंगे सवार

अहमदाबाद (ईएमएस) आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने कांग्रेस को एक डूबता जहाज बताते हुए कहा कि नरेश पटेल जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति का इस जहाज में सवार होना नामुमकिन हैं बता दें कि गुजरात विधानसभा के इस वर्ष के अंत में चुनाव होने हैं और उससे पहले पाटीदार नेता नरेश पटेल भाजपा, कांग्रेस और आप अपने पाले में लाने का प्रयास कर रही हैं नरेश पटेल पाटीदारों के आस्था केन्द्र खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख हैं उनकी पटेल समाज पर मजबूत पकड़ हैं बीते दिन चर्चा थी कि नरेश पटेल और प्रशांत किशोर के बीच राजस्थान के जयपुर में बैठक हुई है तथा अप्रैल महीने में नरेश पटेल कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं ऐसी चर्चा के बीच आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज हैं देश में जहां जहां चुनाव हुए हैं, कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया हैं ऐसे डूबते जहाज में नरेश पटेल जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति सवार हों, ऐसा नहीं लगता हैं इटालिया ने कहा कि आप ने भी नरेश पटेल को हमारे साथ आने का प्रस्ताव दिया हैं हालांकि किस राजनीतिक दल से जुड़ना इसका फैसला नरेश पटेल को ही करना हैं गोपाल इटालिया ने कहा कि पिछले 30 साल से कांग्रेस गुजरात में जीत नहीं पाई महानगर पालिका, नगर पालिका और पंचायत समेत सभी चुनावों में कांग्रेस लगातार हारती आ रही हैं ऐसे में कांग्रेस नरेश पटेल को मुख्यमंत्री चेहरा बनाए, यह किसी मजाक से कम नहीं हैं उन्होंने कहा कि नरेश पटेल को आप से जोड़ने के हमने भरपूर प्रयास किए हैं, अब नरेश पटेल को तय करना है कि वह किसके साथ जाएं?

गुजरात में 3 अप्रैल तक हिटवेव की चेतावनी, उत्तरी गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ में यलो अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में गर्मी ने अपने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं ऐसे में मौसम विभाग ने आगामी 3 अप्रैल तक राज्य में हिटवेव की चेतावनी जारी की हैं मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी गुजरात के साथ ही सौराष्ट्र और कच्छ में हिटवेव रहेगी जिसे देखते हुए बनासकांठा, साबरकांठा, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, बोटाद, राजकोट, अमरेली और कच्छ में यलो अलर्ट जारी किया गया हैं बुधवार को राज्य के 7 शहरों में 40 डिग्री से अधिक तापमान दर्ज हुआ था और अब आगामी दिनों में इसमें 1 से 4 डिग्री बढ़ने की संभावना हैं बुधवार को 41.8 डिग्री तापमान के साथ कच्छ का भुज सबसे गर्म शहर रहा वहीं जूनागढ़ में 41.5 डिग्री, सुरेन्द्रनगर और राजकोट में 41.3 डिग्री, अहमदाबाद में 41 डिग्री, गांधीनगर और वडोदरा में 40.6 डिग्री तापमान दर्ज हुआ हिटवेव की संभावनाओं के चलते दोपहर के वक्त लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने की नसीहत दी गई हैं गर्मी के शुरुआती दिनों में राज्य में लू लगने, उल्टी-दस्त, पेट दर्द, बुखार और ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव के मामले बढ़ने लगे हैं

राज्य में कोरोना के 11 नए केस, 57 लोग डिस्चार्ज, रिकवरी रेट पहुंचा 99.10 पर

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्यभर में कोरोना के 11 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 57 ठीक होकर अपने घर लौट गए राज्य में रिकवरी रेट 99.10 प्रतिशत पर पहुंच गया हैं राज्य में अब तक 1212886 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10942 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी हैं फिलहाल राज्य में कोरोना के 74 एक्टिव केसों में 72 स्टेबल हैं और 2 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3-3, गांधीनगर, राजकोट कॉर्पोरेशन, सूरत, सूरत कॉर्पोरेशन और वडोदरा में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 11 नए मरीज सामने आए हैं जबकि अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरूच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गिरसोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर, तापी और वलसाड समेत 30 जिले और भावनगर, जामनगर, गांधीनगर और जूनागढ़ समेत 4 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ दूसरी ओर राज्य में आज 71781 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया 18 वर्ष से अधिक आयु के 2241 को पहला और 17374 लोगों को दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 1196 किशोरों को कोरोना का पहला और 5918 को दूसरा टीका लगाया गया 12 से 15 वर्षीय 31868 किशोरों को कोविड की पहली वैक्सीन दी गई जबकि 13184 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया राज्य में अब तक 10 करोड़ 61 लाख 62 हजार 817 नागरिकों का टीकाकरण हो चुका हैं

पश्चिम रेलवे द्वारा 20 जोड़ी ट्रेनों में लिनन की आपूर्ति बहाल

अहमदाबाद (ईएमएस) यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल द्वारा ट्रेनों में लिनन, कंबल और पर्दे के प्रावधान पर प्रतिबंध वापस ले लिया गया है। यह प्रतिबंध कोरोना महामारी के कारण लागू कोविड-19 प्रोटोकॉल को देखते हुए ट्रेनों से यात्रियों की आवाजाही के दौरान लगाया गया था। अब नए फैसले को लागू करते हुए पश्चिम रेलवे 20 जोड़ी ट्रेनों में लिनन की व्यवस्था बहाल करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने पहले ही दो जोड़ी ट्रेनों में लिनन सेवा शुरू कर दी है और जल्द ही अन्य ट्रेनों में फिर से शुरू की जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

लिनन का प्रावधान इन ट्रेनों में पहले ही शुरू हो चुका है:

- ☐ ट्रेन संख्या 20903/20904 एकता नगर-वाराणसी जं. एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 20905/20906 एकता नगर-रीवा एक्सप्रेस

1 अप्रैल, 2022 से इन ट्रेनों में लिनन का प्रावधानः

- ☐ ट्रेन संख्या 22944/22943 इंदौर-दौंड एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19307/19308 इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12914/12913 इंदौर-नागपुर त्रिशताब्दी एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19320/19319 इंदौर-वेरावल महामना एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19343/19344 इंदौर-भंडारकुंड पेंचवैली एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19333/19334 इंदौर-बीकानेर महामना एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19313/19314 इंदौर-पटना एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19321/19322 इंदौर-पटना एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12919/12920 डॉ. अम्बेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा मालवा एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12923/12924 डॉ. अम्बेडकर नगर-नागपुर एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 19301/19302 डॉ. अम्बेडकर नगर-यशवंतपुर एक्सप्रेस

7 अप्रैल, 2022 से इन ट्रेनों में लिनन का प्रावधानः

- ☐ ट्रेन संख्या 12951 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12953 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12957 अहमदाबाद-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12915/12916 अहमदाबाद-दिल्ली आश्रम एक्सप्रेस

8 अप्रैल, 2022 से इन ट्रेनों में लिनन का प्रावधानः

- ☐ ट्रेन संख्या 12952 नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल राजधानी एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12954 हजरत निजामुद्दीन-मुंबई सेंट्रल अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस
- ☐ ट्रेन संख्या 12958 नई दिल्ली-अहमदाबाद स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस

अन्य निम्न ट्रेनों में लिनन की व्यवस्थाः

- ☐ ट्रेन संख्या 12239/12240 मुंबई सेंट्रल-हिसार दुरंतो एक्सप्रेस में 12 अप्रैल, 2022 से।
- ☐ ट्रेन संख्या 12227/12228 मुंबई सेंट्रल-इंदौर दुरंतो एक्सप्रेस में 14 अप्रैल, 2022 से।
- ☐ ट्रेन संख्या 22209/22210 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस में 15 अप्रैल, 2022 से।
- ☐ ट्रेन संख्या 20913/20914 राजकोट-दिल्ली एक्सप्रेस में 22 अप्रैल, 2022 से।
- ☐ ट्रेन संख्या 22937/22938 राजकोट-रीवा एक्सप्रेस में 25 अप्रैल, 2022 से।

विदित हो कि लिनन (बेडशीट, कंबल आदि) की आपूर्ति लिनन की उचित गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। इस हेतु नए लिनन की एक बड़ी मात्रा में खरीद की जा रही है क्योंकि कोविड के पिछले दो वर्षों में बहुत-सा पुराना स्टॉक अनुपयोगी हो गया है। रेलवे इस सेवा को 100% उपलब्धक करने के लिए पूर्ण प्रयास कर रही है।

GSHEB ने इस मामले में स्पष्टता की है

आगामी वर्ष से नहीं रद्द होगी कक्षा-१० की बोर्ड की परीक्षा

परीक्षाओं के ढांचे का होगा पुनर्गठन

अहमदाबाद, ३१ मार्च। राज्य में आगामी वर्ष से कक्षा-१० की बोर्ड की परीक्षा रद्द की जाएगी ऐसी चर्चा विद्यार्थियों और अभिभावकों में हो रही थी। हालांकि, गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (स्त्रक्ष - गुजरात सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एज्युकेशन बोर्ड) द्वारा इस मामले में स्पष्टता कर दी गई है। जिस अनुसार, कक्षा-१० और कक्षा-१२ की परीक्षा चालू रखा जाएगा। यह परीक्षाओं के ढांचे का होगा पुनर्गठन। देश में आगामी दिनों में नई एज्युकेशन पॉलिसी लागू होगी।

अब यह नई व्यवस्था में कक्षा-१० की बोर्ड की परीक्षा हटा दी जाएगी यह मुद्दा कई दिनों से चर्चा का विषय बन गया। कक्षा-८ और कक्षा-९ में पढ़ाई करते विद्यार्थी और अभिभावकों में भी बोर्ड की परीक्षा ली जाएगी की नहीं इस मामले में कई प्रश्न खड़े हो गये।

अभिभावकों में मतभेद पैदा नहीं हो इसके लिए शिक्षा बोर्ड ने स्पष्टता कर दी है। बोर्ड ने बताया है कि, १० और १२ की बोर्ड की परीक्षा चालू रखा जाएगा। वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली की नुकसानकारक असरों के निर्मूलन के लिए और विद्यार्थियों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए बोर्ड की परीक्षाओं की ढांचा का पुनर्गठन किया जाएगा। विद्यार्थियों उनके व्यक्तिगत हितों के आधार पर कई विषयों में से बोर्ड की परीक्षा के विषय पसंद किए जा सकते है।

बोर्ड की परीक्षाएं आसान बनाएं जाएंगे। नई एज्युकेशन पॉलिसी आने वाली है तब कई लोगों में बोर्ड की परीक्षा रद्द होने का मतभेद फैल रहा है। वास्तविकता यह है कि नई एज्युकेशन पॉलिसी में भी बोर्ड की परीक्षा दूर करने के मामले में कोई प्रावधान नहीं है। यह परीक्षा जैसे है वैसे ही लिया जाएगा। विद्यार्थी अतिरिक्त सुधार परीक्षा दे सकेंगे। इसके अलावा मार्कशीट जमा कराकर नई परीक्षा दे सके ऐसी व्यवस्था की जाएगी। हालांकि यह दोनों व्यवस्था गुजरात में पहले से ही चालू है यह संयुक्त नियामक बीएन. राजगोर ने बताया।

बीते दो साल में गुजरात में 283 शेर और 333 तेंदुओं की हुई मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में शेर और तेंदुओं की मौत के चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं गुजरात विधानसभा में राज्य सरकार ने बताया कि बीते दो साल के भीतर 283 शेर और 333 तेंदुओं की मौत हुई हैं सरकारी आंकड़ों के मुताबिक विभिन्न दुर्घटनाओं में 29 शेरों की और 254 शेरों की प्राकृतिक मौत हुई हैं दो साल में 242 तेंदुए और 91 बाल तेंदुओं की मौत हुई हैं जिसमें 175 तेंदुओं और 68 बाल तेंदुए शामिल हैं इनमें 67 तेंदुओं और 23 बाल तेंदुओं की प्राकृतिक मौत हुई हैं विधानसभा में सरकार ने बताया कि सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ और जूनागढ़ जिलों में तेंदुओं का आतंक बढ़ा हैं तेंदुओं द्वारा लोगों पर हमले की 85 घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 79 घायल हो गए एक प्रश्न के प्रत्युत्तर में सरकार की ओर से बताया गया कि राज्य में दो साल के भीतर 112 शेरों को रेडियोकोलर लगाया गया है, इसमें से 7 शेरों की मौत हो चुकी हैं

वडोदरा में पार्किंग मुद्दे पर हुए झगड़े के बाद हत्या केस

एक परिवार के पांच को आजीवन कारावास की सजा

रिक्शा पार्किंग मुद्दे पर हुआ झगड़ा शाम होते ही खतरनाक रूप धारण कर लिया : कोर्ट ने परिवार पर भी जुर्माना लगाया

वडोदरा, ३१ मार्च। शहर के तांदलजा क्षेत्र में वर्ष २०१८ में हुए रिक्शा पार्क करने के झगड़े में हत्या के केस में एक ही परिवार के पांच लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। मामूली झगड़े के बाद स्थिति खराब होने पर एक शख्स पर परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया। जिसमें पीड़ित को उपचार के लिए अस्पताल में ले जाया गया तब डॉक्टरों द्वारा इसे मृतक घोषित कर दिया गया। हत्या केस में एक ही परिवार के पांच को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसमें एक महिला भी शामिल है। यह वर्ष २०१८ के जुलाई महीने में हुआ था, जिसमें रिक्शा ड्राइवर यासीनभाई भोलाभाई मेमण (४७) दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार वह परिवार के साथ तांदलजा में रहते है। जिनके परिवार में पत्नी खतीजाबहन और तीन संतानों हारून, इल्यास और साजीत तथा अन्य दो भाई भी शामिल है। इस दौरान रिक्शा ड्राइविंग करते उनका बेटा इल्यास (२३) और आमिर परिसर ग्राउंड फ्लोर पर स्थित कबीर चीकन शॉप के मालिक फारूक तथा उनके भाई मुन्नाभाई और फारूक के बेटा फरहान के साथ दुकान पर आते ग्राहकों को व्यवस्थित पार्क वाहन पार्क करने के मुद्दे पर वादविवाद हुआ था। यह सामान्य तकरार इतना बढ़ा रूप धारण कर लेगा यह यासीनभाई मेमण के परिवार से किसी ने सपने में भी विचार नहीं किया।

घटना के अनुसार २२ मार्च २०१८ को दिन जो हुआ उसने तांदलजा में सभी को चौंका दिया था। इस दिन दोपहर में इल्यास और सलीमभाई की बेटी मुस्कान तथा परिवार के अन्य सदस्य तरसाली में उनके रिश्तेदार के घर पर गये थे।

इस दौरान रिक्शा पार्क करने के मामले में झगड़ा होने पर स्थिति ज्यादा नहीं बिगड़े इसके लिए फारूक के मुस्कान और फिरोजाबहन फारूक को पकड़कर घर में ले गये थे। हालांकि, इसके बाद आखिर में शाम को जो नहीं होना था वो हो गया था।

शाम को ७ बजे के करीब इल्यास जिसका झगड़ा फारूक के साथ हुआ था यह पडोसी खाने के लिए नीचे आया था, इस दौरान फारूक ने इल्यास को चाकू बताकर रास्ते में रोका था। रिक्शा पार्किंगवाला झगड़े की वजह से गुस्से में आया फारूक ने इल्यास के साथ विवाद किया और तनाव बढ़ने पर शोर मच गया।

जगुआर लैंडरोवर ने 2030 के संवहनीयता लक्ष्यों की घोषणा की

गेडन (ब्रिटेन), गुरुवार, 31 मार्च 2022 : जगुआर लैंड रोवर ने 2030 तक अपने संचालन क्षेत्र में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 46 फीसदी के लक्ष्य तक पहुंचने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा कंपनी अपनी मूल्य श्रृंखला में वाहन उत्सर्जन को औसतन 54 फीसदी तक कम करेगी, जिसमें वाहनों का इस्तेमाल करने के दौरान उत्सर्जन में 60 फीसदी कटौती का लक्ष्य शामिल है।

इन लक्ष्यों को साइंस बेस्ड टारगेट्स इनीशिएटिव (एसबीटीआई) से मंजूरी मिली है। यह पेरिस समझौते की तर्ज पर 1.5 डिग्री सेल्सियस उत्सर्जन में कटौती की कंपनी की प्रतिबद्धता की राह पर चलने की पुष्टि करता है। जगुआर लैंड रोवर की यह प्रतिबद्धता पेरिस समझौते में तय किए गए महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है।

ये लक्ष्य 2030 तक जगुआर लैंड रोवर की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी रिफ्रे से कल्पना करने की रणनीति के तहत एक अन्य दशक में 2039 तक सप्लाई चेन, प्रॉडक्ट और ऑपरेशन में शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कंपनी डिजाइनिंग और मटीरियल, निर्माण प्रक्रिया, सप्लाई चेन, विद्युतीकरण, बैटरी की रणनीति, सर्कुलर इकोनॉमी और वाहनों के पूरे लाइफ टाइम ट्रीटमेंट में कार्बन उत्सर्जन में कटौती करेगी।

इस मिशन को आगे बढ़ाने में मदद के लिए लैंडरोवर ने सस्टेनेबिलिटी डायरेक्टर के नए पद का सृजन किया गया है। इस पद पर रॉसेला कार्डेन की नियुक्ति की गई है। शून्य कार्बन उत्सर्जन और ग्रीन हाउस गैसों में कटौती का बदलाव लाने में वह कंपनी में स्ट्रैटेजी और सस्टेनेबिलिटी विभाग के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर फ्रेंकोइस डोस्सा का सहयोग करेंगी।

पश्चिम रेलवे

सिविल अभियांत्रिकी कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, रतलाम (एमपी) द्वारा निम्नलिखित ईपीसी मोड निविदा हेतु दो लिफाफा प्रणाली अंतर्गत ई-निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in के जरिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं : निविदा क्र. : आरटीएम - एसआरडीई-डिवाईसीई-सी-ईपीसी-02. कार्य का नाम : ईपीसी मोड पर निमाण - रतलाम डोहरीकरण प्रोजेक्ट के संबंध में पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के दलौदा (किमी. 305.15) से रतलाम (किमी. 374.46) स्टेशनों के बीच मध्य अनुभागों में ट्रैक के दोहरीकरण के सिविल अभियांत्रिकी कार्य. एप्रॉक्सीमेट लागत (₹) : 2608837033.49, बयाना रकम जमा (ईएमडी) (₹) : 13044200.00, बोली खुलने की तिथि : 27.06.2022 को 16.00 बजे. निविदा की तिथि, नियम एवं शर्तें तथा कार्य के विस्तृत हमारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में अपलोड किये गये हैं और उपलब्ध हैं. 0839

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रात: कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95